● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 146, पृष्ठ : 08, सीधी, शुक्रवार , 04 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

पाक कैसे बन गया सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष : सुरजेवाला 5

गिल सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय कप्तान 6

हमारा लोकतंत्र सिस्टम नहीं संस्कार है : पीएम

अकारा। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे हैं। गुरुवार को घाना ने पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना से सम्मानित किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने घाना की संसद को संबोधित किया। संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सर्वोच्च सम्मान देने के लिए आभार जताया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना से ओतप्रोत है। पीएम मोदी ने आगे कहा, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में मैं अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। घाना से मिले सर्वोच्च सम्मान के लिए मैं 140 करोड़ भारतीयों की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी धरती के नीचे छिपी हुई चीजों के लिए बल्कि आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी और ताकत के लिए भी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मुझे दूरदर्शी राजनेता तथा घाना के प्रिय पुत्र डॉ. क्वामे नक्रूमा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने एक बार कहा था कि हमें एकजुट करने वाली ताकतें हमें अलग रखने वाले आरोपित प्रभावों से कहीं अधिक बड़ी हैं। उनके शब्द हमारी साझा यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत में 2500 राजनीतिक दल हैं। 20 अलग-अलग पार्टियां अलग-अलग राज्यों में सरकार चला रही हैं। यही वजह है कि भारत में आने वाले लोगों को भारत में भव्य स्वागत होता है। घाना में भारत के लोग उसी तरह घुले-मिले हैं जैसे चाय में शक्कर मिली होती है। पीएम ने कहा, जब हम घाना को देखते हैं तो हम एक ऐसे राष्ट्र को देखते हैं जो साहस के साथ खड़ा है। समावेशी प्रगति के प्रति आपकी प्रतिबद्धता ने वास्तव में घाना को पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के लिए प्रेरणा का केंद्र बना दिया है।

घाना की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- भारत और घाना के संबंध काफी मजबूत हैं। भारत-घाना समावेशी विकास की ओर बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र सिस्टम नहीं संस्कार हैं। घाना में पिछले कुछ वर्षों से काफी तेजी से विकास हुआ है। इस वक्त भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा- दुनिया इस वक्त कई समस्याओं से जूझ रही है, जिसमें आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन इस समय बड़ी समस्याएं हैं। वहीं भारत का लोकतंत्र आशा की किरण बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपकी अनुमति से मैं कह सकता हूं कि हमारी दोस्ती घाना के प्रसिद्ध शुगर लोफ अनानास से भी ज्यादा मीठी है।

युवा पीढ़ी को आपातकाल के इतिहास से परिचित कराना जरूरी : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में माता-बहनों को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हरसंभव प्रयास जारी हैं। आज नरसिंहपुर जिले में एसपी और कलेक्टर दोनों पद महिला अधिकारियों के पास हैं। शहडोल संभाग की संभागायुक्त भी महिला ही हैं। प्रदेश की मुख्य सचिव भी महिला अधिकारी रह चुकी हैं। महिला सुरक्षा के प्रति राज्य सरकार विशेष रूप से संवेदनशील है, मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने दुष्कर्म के मामलों में सबसे पहले फांसी का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय महिला मॉक पार्लियामेंट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीपुल्स यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में हुए कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, राज्यसभा सांसद श्री माया नारोलिया, विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, श्री हितानंद शर्मा सहित जनप्रतिनिधि तथा प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीसाबंदी श्री तपन भौमिक का तुलसी पौधा एवं अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मान किया।

समिक भट्टाचार्य बने पश्चिम बंगाल भाजपा के नए अध्यक्ष

कोलकाता। वरिष्ठ भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य को आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल इकाई का नया अध्यक्ष घोषित किया गया। वह 2026 के विधानसभा चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। कोलकाता में साइंस सिटी में आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने भट्टाचार्य को निर्वाचन का प्रमाण पत्र सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद समिक भट्टाचार्य ने टीएमसी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि टीएमसी शासन में बंगाल की संस्कृति, बहुलवाद, विरासत खतरे में है। 2026 का विधानसभा चुनाव इनके अस्तित्व की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने विधानसभा चुनावों में भ्रष्ट टीएमसी सरकार के कुशासन को समाप्त करने का मन बना लिया है। बंगाल भाजपा अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं, बल्कि हिंसा और सांप्रदायिकता की राजनीति का विरोध करती है। भाजपा नेता समिक भट्टाचार्य के पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष चुने जाने पर पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि यह एक सतत रिले रेस है।

सामाजिक सद्भाव के लिए आरएसएस घर-घर करेगा संपर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सामाजिक सद्भाव बढ़ाने के लिए पूरे देश में लोगों से घर-घर संपर्क करेगा। इसके लिए संघ के स्वयंसेवक सामाजिक सरोकार के साहित्य को लेकर लोगों से घर-घर संपर्क स्थापित करेंगे। इसका उद्देश्य समाज की विभिन्न जातियों के बीच आपसी सहयोग और समन्वय को बढ़ाना है जिससे राष्ट्रीय एकता को बल दिया जा सके। आरएसएस की 4 जुलाई से 6 जुलाई के बीच होने वाली विशेष बैठक में इसको लेकर अंतिम रणनीति बनाई जाएगी।

बादल फटने के बाद 56 लोग अभी लापता, मरने वालों की संख्या 19 पहुंची

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से हुई तबाही में मरने वालों की संख्या 19 हो गई है। मंडी जिले में लापता लोग 34 से बढ़कर 56 हो गए हैं। इनमें सर्वाधिक 46 लोग सराज क्षेत्र के हैं। थुनाग में आठ, गोहर में छह लोगों की मौत, करसोग में एक की मौत, कांगड़ा में दो, नादौन और जोगिंद्रनगर में एक-एक जान गई है। 370 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंडी के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद रेस्क्यू और आपदा राहत के लिए वायुसेना की मदद मांगी है। सराज के थुनाग में 16, पखरैर में 18, जरोल में 7, चिऊणी में 4 और पांडवशीला में एक व्यक्ति लापता है। गोहर उपमंडल के स्यांज और बाड़ा परवाड़ा में छह लोगों की मौत हुई हैं जबकि आठ लापता हैं। करसोग उपमंडल में एक की मौत हुई है। जबकि दो लोग लापता हैं। बादल फटने और भूस्खलन के चलते थुनाग और जंजैहली उपमंडल में सड़कें ध्वस्त हो गई हैं। कई क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में लगी हैं।

सपनों को पंख
प्रतिभा को सम्मान

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

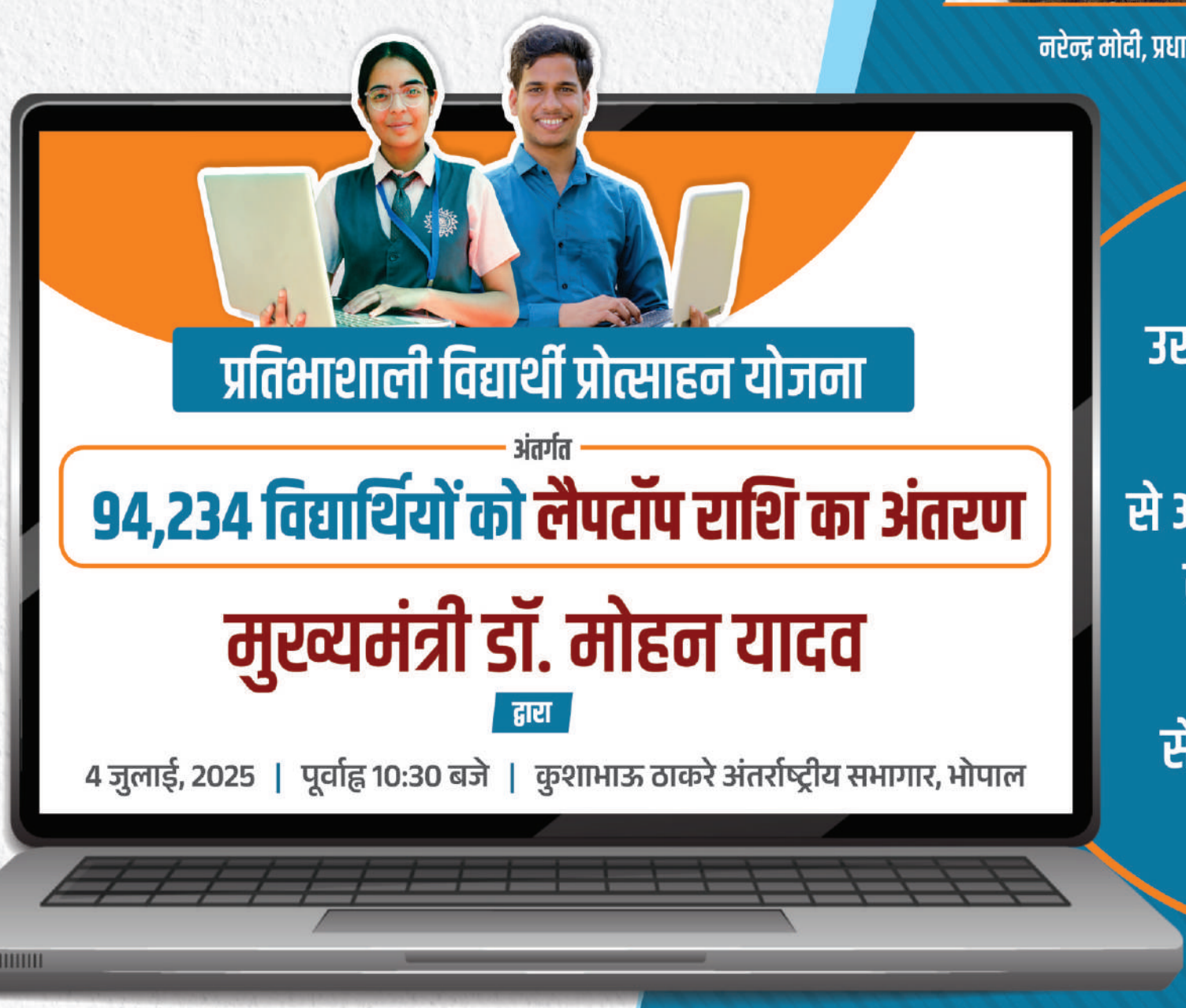

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना

अंतर्गत

94,234 विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि का अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

4 जुलाई, 2025 | पूर्वाह्न 10:30 बजे | कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार, भोपाल

12वीं में 75% या उससे अधिक अंक लाने वाले 5 लाख से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए अब तक ₹1315 करोड़ से अधिक राशि का अंतरण किया गया

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11057/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

मनरेगा में भ्रष्टाचार, जेसीबी से काम कराके 35 प्रतिशत कमीशन का हुआ खेल !

मनरेगा के कच्चा मिट्टी वर्क के भुगतान में कमीशन की बू, मामला जनपद चितरंगी का

सिंगरौली। जिले के चितरंगी जनपद पंचायत अंतर्गत लगभग 126 ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत कच्चा मिट्टी वर्क का काम जेसीबी के माध्यम से और कागजों में दिखा कर 7 करोड रुपए की हेरा फेरी करने का मामला जनपद पंचायत चितरंगी में देखने को मिल रहा है। इस पूरे खेल में चितरंगी मनरेगा प्रबंधक की संलिप्तता सामने आ रही है। कहा तो यह भी जा रहा है कि मनरेगा में 35 फ़ीसदी कमीशन लेकर फर्जी तरीके से बिल भुगतान किया जा रहा है।

मकसद साफ है कि मनरेगा के तहत होने वाले काम में ज्यादा से ज्यादा मजदूरों की भागीदारी रहे. लेकिन चितरंगी जनपद पंचायत में आने वाले 126 ग्राम पंचायत में खेल मैदान, मिट्टी बांध निर्माण, लघु तालाब कार्य कराया गया है. जहां निर्माण कार्य में मजदूरों की जगह जेसीबी मशीन का उपयोग किया गया.

जिसका समय-समय पर वीडियो और फोटो भी वायरल हुए।मामले की शिकायत ग्रामीणों ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से की। बावजूद इसके जेसीबी मशीन से काम होते रहें। इसके अलावा ग्राम पंचायत के निर्माण कार्यों के लिए लाई गई सामग्री जिसमें सीमेंट, लोहा, रेत, गिट्टी आदि सभी सामग्रियां गुणवत्ता विहीन खरीदी की गई। सूत्रों की माने तो मनरेगा के सहित अन्य सभी निर्माण कार्यों में अधिकारियों और वेंडरों को लेकर करीब 35 कमीशन पहुंच गया है। यह कमीशन 40 प्रतिशत तक पहुंच जाता है, जब सरपंच और सचिव मनरेगा योजना के तहत हो रहे कामों को मजदूरों से ना करा के मशीन और ट्रैक्टर का इस्तेमाल कर काम करते हैं। हालांकि इसके लिए सरपंच और सचिवों को मास्टर रोल में फर्जी मजदूरों का नाम लिखना पड़ता है। कई पंचों का कहना है कि सरपंच और सेक्रेटरी के चहेते मजदूर काम करें या ना करें उनका नाम मस्टर रोल में जरूर चढ़ाया जाता है और उन्हें भुगतान भी होता है। सूत्रों का दावा है कि चितरंगी मनरेगा प्रबंधक श्रवण तिवारी अधिकारियों के नाम पर सरपंच और सचिव से वसूली कर रहे हैं।

अधिकारियों के मकड़ जाल में शिकायते

मनरेगा का मकसद, मजदूरों को रोजगार देना. नियमों के मुताबिक मनरेगा में जो भी काम किया जाएगा उसे मजदूरों के द्वारा ही पूरा करना है. मशीन या उसके लिए किसी भी तरह की गाड़ी का इस्तेमाल नहीं करना है. लेकिन अधिकारियों को ऊपरी कमाई के लिए सरपंच और सचिवों को मशीनों से काम करने की खुली छूट रहती है। कई बार जेसीबी मशीन से काम होने की शिकायतें हुई लेकिन शिकायतें अधिकारियों की मकर जाल में घूमती रहती हैं। कोई कार्यवाही नहीं होती।

जनप्रतिनिधियों तक पहुंच रहा कमीशन

आए दिन चितरंगी जनपद पंचायत में मनरेगा सहित अन्य योजना के निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायतें होती रही हैं। लेकिन शिकायतों के बाद भी सचिवों का सिर्फ प्रभार छीना जाता है या फिर उन्हें दूसरे पंचायत में अटैच कर दिया जाता है। सूत्रों का दावा है कि पंचायत के कामों में जनपद पंचायत के छोटे और बड़े बाबू के साथ सीईओ, एसडीओ, उपयंत्री,सचिव,सरपंच सहित प्रदेश स्तर के जनप्रतिनिधियों का कमीशन रहता है। यदि सभी का कमीशन जोड़ दे तो यह करीब 35त्न पहुंच जाता है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि भौतिक रूप से काम की गुणवत्ता क्या होगी।

इनका कहना है

मनरेगा के कुछ कामों में मशीनरी उपयोग का प्रावधान रहता है, मजदूरों से पैसा मिलने की जानकारी आप द्वारा मिली है, जांच कर संबंधित सरपंच सचिव पर कार्यवाही की जाएगी।

मान सिंह सैयाम, सीईओ
जनपद पंचायत चितरंगी

नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस के आमंत्रण -पत्र में जिला पंचायत अध्यक्ष का नाम तक नहीं

4 जुलाई को जिले के सरई में आएंगे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, जिला प्रशासन की बड़ी चूक या राजनीतिक दबाव में की गई उपेक्षा

सिंगरौली। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 4 जुलाई को जिले के सरई तहसील मुख्यालय में आयोजित नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस में एक शशक्त नारी का अपमान होता हुआ दिखाई दें रहा है द्य इसे लोगो द्वारा जिला प्रशासन की बड़ी चूक या जानबूझकर राजनीतिक शाजिस मानी जा रही है।

दरअसल जिले के सरई स्थित शासकीय स्कूल प्रांगण में 4 जुलाई को नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस के आमंत्रण -पत्र में जिला पंचायत सिंगरौली की अध्यक्ष सुश्री सोनम सिंह का नाम ही नहीं छापा गया है द्य आमत्रंण -पत्र में अपना नाम नहीं होने पर जिला पंचायत अध्यक्ष सोनम सिंह ने सोसल मिडिया में जानकारी देते हुए जिला प्रशासन के इस निर्णय को दुःखद और दुर्भाग्य पूर्ण बताया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री तो सबके है वह राजनीति से ऊपर है। जबकि मै पूरे जिले की जिला पंचायत अध्यक्ष हूँ। लोकतंत्र में पंचायत की भूमिका महत्वपूर्ण है।

राजनीतिक शाजिस या जिला प्रशासन की उपेक्षा

नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस में एक जनप्रतिनिधि को दरकिनार करना या तो राजनीतिक शाजिस या जिला प्रशासन द्वारा उपेक्षित करना कहा तक न्यायोचित है। जबकि जिला पंचायत अध्यक्ष सोनम सिंह के नारी के साथ साथ जनजातीय समाज से भी आती है।

नगर निगम की महापौर का है नाम

जिला प्रशासन द्वारा मुद्रित कराये गए मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित नारी शसक्तिकरण एवं जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष एवं नगर पालिक निगम सिंगरौली की महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल का नाम छपा है। जो कि सरई क्षेत्र नगर निगम की सीमा से 60 किलोमीटर दूर हैद्यहालांकि महापौर श्रीमती अग्रवाल की राजनीतिक पृष्ठ भूमि भाजपा की रही है।

कांग्रेस पृष्ठभूमि की है जिला पंचायत अध्यक्ष

जानकारी के अनुसार जिला पंचायत अध्यक्ष सिंगरौली सुश्री सोनम सिंह कांग्रेस पृष्ठभूमि से आती है। जिससे शायद राजनीतिक शाजिस से आमंत्रण पत्र में नाम नहीं जोड़ा गया है द्य जिला पंचायत अध्यक्ष के नाम नहीं होने से राजनीतिक दलो के लोगो में चर्चा का बाजार गर्म हैद्य इस सम्बन्ध में जिले के कलेक्टर से बात करने संपर्क किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

ढोंगा जमीन धोखाधडी मामला

रजिस्टी लेखक आलोक व क्रेता से पूंछताछ की तैयारी, जारी हो रही नोटिस

जियावन थाने से हो रही जांच, गायब महिला के नाम जमीन की रजिस्टी का मामला

सिंगरौली। जियावन थाना अंतर्गत ढोंगा गांव की जमीन धोखाधडी का मामला तूल पकडता जा रहा है। मामले में जियावन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सर्विस प्रोवाइडर सह रजिस्ट्री लेखक आलोक द्विवेदी व क्रेता दादूलाल माझी से पूंछताछ की तैयारी है। इस संबंध में दोनों को पुलिस नोटस जारी कर थाने बुलाने की तैयारी में है। थाने से जांच शुरू होने के बाद सर्विस प्रोवाइडर की धडकन बढ़ गयी है वहीं क्रेता की नीद उडी हुई है। जांच के बाद इनके खिलाफ मामला दर्ज होना तय माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि देवसर तहसील के ग्रांव ढोंगा की एक एकड़ पैंतिस डिसमिल जमीन एक अन्य ऐसी महिला ने बेंच दी जिसके नाम जमीन थी ही नहीं। जिस महिला के नाम हकीकत में जमीन है वह पिछले करीब डेढ़ दशक से गायब है। भाई की जमीन हडपने के लिये भाई ने ही एक अन्य महिला को खडी कर भाई के हिस्से की जमीन भी अपने नाम रजिस्टी करा ली। जिस महिला को खडा किया गया हकीकत में उसका नाम सुकवरिया है। वह नौगई अपने मायके रहती है।

ऐसे रची साजिस

शिकायतकर्ता के मुताबिक आरोपी दादूलाल माझी एवं सर्विस प्रोवाइडर आलोक द्विवेदी ने महिला सुकवरिया को यह कहकर देवसर लाये की आधार कार्ड बनवा देंगे। इसी बहाने उपपंजीयक कार्यालय में उसका अंगूठा एवं फोटो खिचवा लिया। आरोपी महिला को सिखाया गया था कि उसको अपनी पहचान तिलरनिया के नाम से बताना है। इस प्रकार पूरी साजिस को अंजाम दिया गया। महिला को कई महीनों बाद भी आधार कार्ड नहीं मिला तो उसे भी अंदेशा हुआ की उसके साथ धोखा हो रहा है

धोखाधडी करने वालों पर दर्ज हो सकता है मामला

इस मामले में सर्विस प्रोवाइड एवं क्रेता कटघरे में आ रहे हैं। दोनों ने बेहद सातिर तरीके से घटना को अंजाम दिया है ऐसे में अब पुलिस ने जब मामले में जांच शुरू कर दी है तो दोनों पर मामला दर्ज होने का खतरा मडरा रहा है। जिसको लेकर दोनों की नीद उडी हुई है। इससे पहले दोनों सर्विस प्रोवाइड एवं क्रेता घटना को अंजाम देने के बाद भी बेखौफ थे इनका हौसला बढ़ता जा रहा था पीडित दो साल से कई स्थानों पर शिकायत किया लेकिन उचित कार्यवही नहीं होने से वह भी निराश था अब जांच शुरू होने के बाद दो साल से न्याय के लिए भटक रहे पीडित को न्याय की उम्मीद जगी है।

रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क में बना जानलेवा गड्ढा

सिंगरौली। अनपरा मुख्य मार्ग पर स्थित शक्तिनगर थाने के ठीक समीप रेलवे क्रॉसिंग के पास, एक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है और भारी बारिश के कारण जमा पानी ने इसे एक बड़े तालाब का रूप दे दिया है। यह स्थान अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। शक्तिनगर थाने से महज सिर्फ 20 मीटर की दूरी पर स्थित शक्तिनगर थाना यह खतरनाक गड्ढा मौत का कुआं सा प्रतीत हो रहा है। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी वहां भरकर दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है। स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों का कहना है कि यह स्थान कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। रात के समय जलजमाव में यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है कि सड़क है या पानी से भरा गड्ढा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने एक दिवसीय प्रवास पर आयेंगे सिंगरौली

मुख्यमंत्री सरई में आयोजित शसक्त महिला एवं जन जाति गौरव सम्मेलन में होगे शामिल

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने एक दिवसीय प्रवास पर सिंगरौली आयेगे। मुख्यमंत्री सरई में आयोजित शसक्त महिला एवं जन जाति गौरव सम्मेलन में शामिल होगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 4 जुलाई को प्रातः 11ः50 बजे स्टेट हैगर भोपाल से वायुयान द्वारा रीवा एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेगे। दोपहर 12ः45 बजे रीवा एयरपोर्ट आगमन एवं दोपहर 12ः50 बजे हेलीकप्टर के माध्यम प्रस्थान दोपहर 1ः30 बजे सरई आगमन। मुख्यमंत्री सरई में आयोजित शसक्त महिला एवं जन जाति गौरव सम्मेलन

में शामिल होगे साथ ही जिले को विभिन्न विकास कार्यो की सौगात देगे। मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे हेलीपैड सरई से कोतमा अनुपपुर के लिए प्रस्थान कर दोपहर 3ः30 बजे कोतमा पहुचेगे। मुख्यमंत्री कोतमा में आयोजित सभा मे शमिल होकर शांय 5 बजे कोतमा से एयरपोर्ट रीवा के लिए प्रस्थान करेगे। शायं 5ः45 बजे रीवा एयरपोर्ट आगमन एवं वायुयान के माध्यम से भोपाल के लिए प्रस्थान करेगे।

राज्यमंत्री एवं विधायकों ने मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों का लिया जायजा

सिंगरौली। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन डॉ मोहन यादव का सिंगरौली जिले में स्थित अनुभाग देवसर अंतर्गत तहसील सरई में 4 जुलाई को आगमन हो रहा है। सभा स्थल पर की जा रही तैयारियों का जायजा लेने हेतु श्रीमती राधा सिंह राज्य मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास, विधायक देवसर राजेन्द्र मेश्राम, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह सहित सरई नगर परिषद अध्यक्ष प्रमिला वर्मा, पूर्व विधायक सुभाष वर्मा, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष डॉ रावेंद्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण द्वारा तैयार किए गए हेलीपैड , मंच स्थल सहित पंडाल में की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया मौके पर उपस्थित जिला एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

संजीव कुमार साहा ने संभाला परियोजना प्रमुख का कार्यभार

एनटीपीसी विंध्याचल को मिला नया नेतृत्व

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में एक नई ऊर्जा, नई दिशा और नए संकल्प का संचार हुआ है। बते दिन 2 जुलाई को संजीब कुमार साहा ने परियोजना प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

एनटीपीसी में अपने 34 वर्षों के समर्पित सेवा अनुभव के साथ साहा एक कुशल प्रशासक, तकनीकी विशेषज्ञ और प्रेरणादायी नेतृत्वकर्ता के रूप में विख्यात हैं। कोलकाता विश्वविद्यालय से

विद्युत अभियंत्रण में स्नातक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पावर सिस्टम में परास्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद उन्होंने 1991 में एनटीपीसी में कार्य की शुरुआत की। श्री साहा ने फरक्का, बदरपुर, लारा, कहलगांव, तेलंगाना और विंध्याचल जैसे प्रतिष्ठित विद्युत संयंत्रों में अपनी सेवाएं दी हैं और हर स्थान पर प्रचालन एवं अनुरक्षण में श्रेष्ठता का परिचय दिया है। उनके नेतृत्व में कई परियोजनाओं ने नई ऊँचाइयों को छुआ है। उनके व्यापक अनुभव, तकनीकी दृष्टिकोण और दूरदर्शिता से अब एनटीपीसी विंध्याचल को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद है। श्री साहा के नेतृत्व में परियोजना प्रचालन, ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरणीय दायित्वों के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनकर उभरेगी।

हड़ताल 9 को, तैयारियों में जुटी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

सिंगरौली। आंगनवाड़ी सहायिका कार्यकर्ता यूनियन एटक म.प्र. की महासचिव कॉमरेड विभा पाण्डेय के नेतृत्व में जिले के बरगवां-देवसर-सरई-चितरंगी क्षेत्र में लगातार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की बैठक जारी है।

आगामी 9 जुलाई की हड़ताल मुकम्मल बनाने को लेकर जिले की शीला सिंह चंदेल, शीला मिश्रा, संगीता बैस, सुषमा सिंह, संतोष कुमारी, सरोज कुशवाहा, बेला सिंह, राबिया बानो सहित अन्य पदाधिकारी ने लगातार सेक्टर बॉयज बैठक आयोजित कर रही है। उक्ताशय की जानकारी ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस एटक के उप महासचिव कामरेड संजय नामदेव एवं सचिव कामरेड विभा पांडेय ने एक संयुक्त बयान में कहा कि इस बार 9 जुलाई की हड़ताल में फैक्ट्री पावर प्लांट्स और खदानों के मजदूरों के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मध्यान्ह भोजन कमी पूरी मुस्तादी के साथ हड़ताल में शामिल होंगे और यह हड़ताल मुकम्मल होगी।

यहां शाम ढलते ही मर जाती है संवेदनाएं

जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर की कहानी, मरीजो के परिजनों की जुबानी

सिंगरौली। शाम ढलने के बाद जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर में संवेदनाएं मर जाती हैं। दीवारों से टकराकर गूंजती मरीजों की चिक परिजनों के मदद की गुहार भी जिम्मेदारों के कान तक नहीं पहुंच पाती, नियमत खानापूर्ति कर अगले 24 घंटे के लिए बेखबर होने वाले चिकित्सक दुकानदारी में व्यस्त हो जाते हैं पीछे छूट जाती है अव्यवस्था और अथाह दर्द की कभी न खत्म होने वाली दास्तान।

ज्ञात हो कि वर्षो के अथक परिश्रम के बाद सिंगरौली जिले के सुसज्जित ट्रामा सेंटर की बात कर रहे हैं जहां पग-पग पर बीमार चेहरे हाथ जोड़कर ईश्वर का रूप कहे जाने वाले चिकित्सकों के इर्द-गिर्द मडराते नजर आते हैं। स्टाफ नर्सो के भरोसे अस्पताल की व्यवस्था का दम्भ भरने वाले चिकित्सक भर्ती मरीजों के दर्द की दास्तान मात्र अपने बंगले में या निजी क्लिनिको में ही सुन पाते हैं। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। मौसम के तीखे तेवर के बाद फैली जल जनित बीमारियों ने आम लोगों का जहां जीना दुश्वार कर दिया है। वहीं अस्पताल के चिकित्सक भर्ती मरीजों का इलाज करने से कतरने लगे हैं। इतना ही नहीं मरीज के परिजनों को यह सलाह देने से भी नहीं चूकते हैं कि यहां से अच्छा किसी अन्य अस्पताल में ले जाएं। या फिर 2 बजे के बाद मेरे क्लीनिक में लेकर आ जाना वही सही तरीके से इलाज हो पाएगा। ऐसे में यह माना जा सकता है कि अस्पताल के बीच निजी अस्पतालों के बीच जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों का अच्छा गत जोड़ माना जा रहा है और यहां तक की जिला चिकित्सालय में दलाली प्रथा तेजी से चल रही है जहां जिला चिकित्सालय कर ट्रामा सेंटर के चिकित्सा खुद सलाह देते हैं इस अस्पताल में चले जाओ वहीं हम आएंगे तो देखेंगे।

जिला चिकित्सालय शह ट्रामा सेंटर की बदहाल व्यवस्था पर ना तो कलेक्टर गंभीर दिखाई दे रहे हैं नहीं जिले के जनप्रतिनिधि। जबकि पिछले दिनों सिंगरौली विधायक जिला चिकित्सालय की बढ़ाहल व्यवस्था पर काफी नाराज थे और चिकित्सकों को हिदायत भी दिया था इसके बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा है।

3 माह से फरार स्थाई वारंटी को विन्ध्यनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिंगरौली। विंध्यनगर थाना क्षेत्र के बनौली निवासी एक स्थाई वारंटी पुलिस को चकमा देकर जयंत क्षेत्र में छिप कर रहा था। जहां आज सोमवार को विंध्यनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विंध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि 3 माह से फरार आरोपी विनोद कुमार शाह पिता बाबूराम शाह निवासी बनौली थाना विन्ध्यनगरजिसके विरुद्ध न्यायालय बैढ़न से 6 मार्च को स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, वर्तमान में लुक छिपकर चौकी जयंत क्षेत्र तरफ रह रहा है । सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विन्ध्यनगर निरीक्षक अर्चना द्विवेदी द्वारा शीघ्र एक टीम बनाकर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु भेजा गया, जिसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जिसे न्यायालय के आदेश से जेल भेजा गया । थाना प्रभारी विन्ध्यनगर द्वारा कहा गया कि आगे भी इसी तरह की शख्त कार्यवाही आरोपियों, बदमाशों के खिलाफ जारी रहेगी ।

मुख्यमंत्री सिंगरौली को देंगे 503 करोड़ के निर्माण कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री सरई में करेंगे 503 करोड़ के 54 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 जुलाई को सिंगरौली जिले के सरई में हायर सेकण्डरी स्कूल परिसर में आयोजित जनजातीय और महिला सम्मेलन में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री सम्मेलन में सिंगरौली जिले को 503 करोड़ 9 लाख 19 हजार रुपए के 54 निर्माण कार्यों की सौगात देंगे। समारोह में मुख्यमंत्री 104 करोड़ 67 लाख 26 हजार रुपए की लागत के 20 निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री 398 करोड़ 41 लाख 93 हजार रुपए की लागत के 34 निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी करेंगे। इस संबंध में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री संदीपनि हायर सेकण्डरी स्कूल चकरिया के नवनिर्मित भवन, विद्युत सब स्टेशन हरफरी, संदीपनि हायर सेकण्डरी स्कूल भवन हिरवाह का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री इसके साथ-साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, 8 सड़कों में डामरीकरण का कार्य, कालेज भवन बरगवां, लोक सेवा केन्द्र माड़ा और सरई तथा आयुष विंग के निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे।

कलेक्टर ने बताया कि समारोह में मुख्यमंत्री 34 निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री 11 सड़कों का शिलान्यास करेंगे। इनका निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मेडिकल कालेज में 400 बिस्तर के अस्पताल भवन, एकल नलजल योजनाओं, नगर निगम सिंगरौली में सड़क निर्माण, नाली निर्माण सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र चितरंगी के 13, विधानसभा क्षेत्र सिंगरौली के 25, विधानसभा क्षेत्र देवसर के 15 तथा विधानसभा क्षेत्र धौहनी के एक निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन

सीधी। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नव प्रवेशित छात्राओं हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। 03 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम के प्रथम दिवस 01.07.2025 को संस्था में प्रवेशित छात्राओं का स्वागत भारतीय परम्परा अनुसार तिलक लगा कर एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से किया गया। नवीन विद्यार्थियों को संस्था की उपलब्धियों, परम्पराओं एवं सुविधाओं से परिचित करवाने के उद्देश्य से स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियो के साथ समस्त संकायो के प्राध्यापक भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। संस्था के प्राचार्य डॉ. देवेन्द्र कुमार सोनी एन.एस.एस. इकाई, संस्थागत उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया। साथ ही उन्होने एकाग्रचित होकर संस्था में अध्ययन करते हुये अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों का

अहवान किया एवं इस प्रक्रिया में संस्था के हर संभव सहयोग का अश्वासन भी दिया। एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. प्रतिमा कोल ने महाविद्यालय परिसर में सुरक्षा एवं अनुशासन की जानकारी छात्राओं को दी एवं विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. नागेन्द्र सिंह द्वारा सीखो कमाओ योजना की जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रतिमा कोल तथा संचालन प्राची सिंह द्वारा किया गया।

दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन के कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में विस्तृत जानकारी छात्राओं को प्रदान की गई एवं नव प्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्षों द्वारा अपने विषय व विभागो का परिचय कराया, साथ ही छात्राओं को पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर लैब का भ्रमण कराया गया।

दीक्षारंभ कार्यक्रम के तीसरे व समापन दिवस कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य के अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. प्रतिमा कोल द्वारा छात्राओं को जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत संविधान में मौलिक अधिकारों-कर्तव्यों, कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 की जानकारी साथ ही छात्र हित में शासन द्वारा जारी समस्त हितकारी योजनाओं की जानकारी छात्राओं को दी गई। डॉ. पुष्पेन्द्र तिवारी ने कम्प्यूटर शिक्षा और डिजिटल जागरुकता के संबंध में छात्राओं को जानकारी दी।

कार्यक्रम में डॉ. नागेन्द्र सिंह, डॉ. अनिलेश वर्मा, डॉ. पुष्पेन्द्र तिवारी, डॉ. सूरज सिंह, श्री ज्ञान प्रकश पटेल, डॉ. विजय अहिरवार, डॉ. मोहित मेहरा, डॉ. नंदकिशोर कलोसिया, मांसी भुर्तिया, डॉ. प्रीती सतनामी, श्री रोहित साहू, डॉ. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी एवं नव प्रवेशित छात्राओं के साथ महाविद्यालय की छात्रायें उपस्थित रही।

जिले में औसत वर्षा 256.3 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 03 जुलाई को सीधी जिले में 12.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 8.0 मि.मी., चुरहट में 2.0 मि.मी., गोपद बनास में 3.6 मि.मी., सिहावल में 17.2 मि.मी., बहरी में 4.0 मि.मी., मझौली में 34.0 मि.मी. और कुसमी में 20.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 243.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 03 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 387.4 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 105.5, चुरहट में 173.5, गोपद बनास में 193.8, बहरी में 337.3 मझौली में 316.0 मि.मी. और कुसमी में 281.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 111.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 144.7 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

जिले के 1645 विद्यार्थियों कों लैपटाप क्रय हेतु खाते में मिलेगे पचीस हजार रूपये

4 जुलाई को मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थियों के बैंक खाते में सिंगल क्लिक से जारी करेगे राशि

सीधी। मुख्यमंत्री लैपटाप योजना अंतर्गत 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटाप क्रय करने के लिये उनके खाते में पचीस हजार रुपये प्रदान किये जायेगे। कुसमी विकास खण्ड के 125, मझौली से 212 रामपुर नैकिन से 378, सीधी विकास खण्ड से 738 और सिहावल विकास खण्ड से 192 कुल 1645 विद्यार्थियों के बैक खाते में 4 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा उनके बैंक खाते में राशि ट्रांसफर की जायेगी। यह मेधावी विद्यार्थी टेकनॉलाजी से जुड़कर और बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकेगे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिये जिले में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले दो विद्यार्थियों को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेशन सेन्टर (मिन्टो हाल) भोपाल के लिये आमंत्रित किया गया है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम 4 जुलाई को समय 11 बजे से आयोजित है। उत्कृष्ट विद्यालय के दो विद्यार्थी श्री दिव्यांशु तिवारी और श्री अभय सिंह अपने मार्गदर्शी शिक्षक के साथ भोपाल में राज्य स्तर के कार्यक्रम में शामिल होगे।

जिला स्तरीय कार्यक्रम उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में आयोजित किया जायेगा जबकि विकास खण्ड स्तरीय कार्यक्रम कुसमी ब्लाक के टमसार, मझौली ब्लाक का कार्यक्रम शा.उ.मा.वि. पथरौला में, रामपुर नैकिन का कार्यक्रम सी.एम.राईज स्कूल रामपुर नैकिन और सिहावल ब्लाक का कार्यक्रम सी.एम.राईज स्कूल सिहावल में आयोजित होगा। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने जिला एवं ब्लाक के अतिरिक्त अन्य प्राचार्यो को भी राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाये जाने के निर्देश जारी किये है।

04 जुलाई को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

सीधी। अधीक्षक अभियंता (संचा-संधा) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं. लिमि. ने जानकारी देकर बताया है कि 132 केव्ही सीधी-मऊगंज लाइन में पश्चिम मध्य रेल्वे द्वारा निर्माणाधीन रीवा-सीधी-सिंगरौली ब्रडगेज रेल्वे लाईन के कारण उस क्षेत्र से गुजर रही लाईन का निर्माण एवं विस्थापन का कार्य 40आर से 40एआर/आई डीएस मध्य चल रहा है कार्य के दौरान कन्डेक्टर 11 केव्ही के रेन्ज में आ जायेगी ग्राम ग्राम मधुरी कोठार में कार्य होने के कारण 132 केव्ही टावर में स्ट्रिंग कार्य के लिए 11 केव्ही कुर्वाह फीडर सीधी (ग्रामीण) विद्युत वितरण केन्द्र की विद्युत आपूर्ति दिनांक 04.07.2025 को समय सुबह 10 बजे 12 बजे तक बाधित रहेंगी। कार्य की अधिकता के आधार पर समय को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

पटवारी पुष्पराज सिंह को कर्तव्य पर उपस्थित होने के लिए आम सूचना जारी

सीधी

उपखंड अधिकारी मझौली द्वारा जानकरी देकर बताया गया कि श्री पुष्पराज सिंह पटवारी तहसील मड़वास वर्तमान में संलग्न उपखण्ड कार्यालय मझौली जिला सीधी ग्राम तेगवा पो.आ. बरमबाबा तहसील गोपदबनास जिला सीधी के निवासी हैं। उन्हें कार्यालयीन आदेश दिनांक 30.09.2024 के द्वारा कार्यालय उपखण्ड मझौली में संलग्न किया गया था एवं कार्यालयीन पत्र दिनांक 19.11.2024 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कार्यालयीन पत्र दिनांक 20.01. 2025 के द्वारा आपको अंतिम कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। उक्त सूचना के बावजूद श्री सिंह दिनांक 30.09.2024 से लगातार अनुपस्थित है। आपके द्वारा कोई अवकाश आवेदन पत्र भी नही दिया गया है। उक्त कृत्य जो म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का नियम-7 के प्रतिकूल है।

उन्होंने संबंधित पटवारी को सूचित किया है कि नियत दिनांक 17.07.2025 के पूर्व उपखण्ड कार्यालय मझौली में स्वत: उपस्थित होकर जवाब देवे। नियत दिनांक तक उपस्थित न होने पर विधि अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ आज सौंपेंगे ज्ञापन

सीधी। विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ शाखा सीधी द्वारा अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स संघ फेडरेशन के आह्वान पर मार्च 2025 में भारत सरकार द्वारा पारित विधेयक जिसमें आठवीं वेतन आयोग एवं महंगाई राहत पेंशनर्स को लाभ न दिए जाने के विरोध में आज दिनांक 4 जुलाई 2025 को माननीय प्रधानमंत्री भारत शासन के नाम पर जिला कलेक्टर महोदय जिला सीधी के कार्यालय के सामने बीथिका में लगभग 1ः30 बजे इकट्ठा होकर 2ः30 बजे कलेक्टर महोदय जिला सीधी को ज्ञापन सोपा जाएगा।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ एवं सह अभिप्रेरण कार्यक्रम संपन्न

तिलक एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से नव प्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ अभिनंदन

सीधी। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के आदेशों के अनुपालन में नवीन सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ, सहअभिप्रेरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। संस्थान में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का भारतीय परंपरानुसार तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए छात्रों को संस्थान की नीतियां प्रक्रियाओं व पद्धतियों से अवगत कराना तथा नैतिक एवं चारित्रिक मूल्यों का विकास करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जन भागीदारी अध्यक्ष पवन कुमार मिश्रा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें प्रेषित करते हुए कहा कि दीक्षारंभ शिक्षा का नहीं, जीवन मूल्यों का प्रारंभ है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ गीता भारती ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ रेखांकित करते हुए बताया कि यह न केवल भारत को बल्कि संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया है। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी प्रो सुनील सिंह ने क्रेडिट बेस सिस्टम, विषयों के चयन व परीक्षा पद्धति आदि के बारे में विधिवत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के संयोजक एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो बी एल सिंह ने विद्यार्थियों को संस्थान के मूलभूत शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक सुविधाओं एवं गतिविधियों से परिचित करवाया। तत्पश्चात प्रत्येक विभाग के विभिन्न प्राध्यापकों ने अपने विभाग का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। दीक्षारम्भ कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान में प्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थान की परंपरा में घुलने-मिलने एवं भविष्य निर्माण की रुपरेखा बनाने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में दीक्षारंभ समारोह में छात्र छात्राओं को कराया गया महाविद्यालय भ्रमण

सीधी

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में दीक्षारंभ समारोह के अंतिम दिवस का आयोजन बहुत भावुकता एवं उत्साह के वातावरण में हुआ। समारोह का प्रारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम नारायण स्वर्णकार के द्वारा छात्र-छात्राओं को कुमकुम का तिलक लगाकर एवं परिचय प्राप्त करने से हुआ। कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं के झिझक, परायेपन को दूर करने तथा अपनेपन का आभास दिलानेयुक्त वातावरण प्राचार्य तथा महाविद्यालय के स्टाफ द्वारा निर्मित किया गया। समारोह में शामिल सभी छात्र छात्राओं को अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए मंच पर आमंत्रित एवं उत्साहित किया गया। साथ ही महाविद्यालय में पदस्थ राजनीति विषय के अतिथि विद्वान डॉ. आशुतोष पांडेय ने लौकिक रचनाओं की प्रस्तुति दे कर वातावरण को अलौकिक बना दिया।

भ्रमण के लिए निर्मित समिति के संयोजक/सदस्य डॉ. राकेश सिंह चौहान, डॉ. रविंद्र नाथ सिंह, डॉ. विभा कुशवाहा, डॉ. नुसरत अली, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. प्रतिभा सिंह, श्री रामानुज पटेल के निर्देशन में सभी छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय के विभागों और प्रकोष्ठों का भौतिक भ्रमण कराते हुए विभाग/प्रकोष्ठ के प्रभारी/विभागाध्यक्ष एवं वहां पर पदस्थ अधिकारियों कर्मचारियों से विस्तृत परिचय कराया गया तथा विभाग में उपलब्ध सभी सुविधाओं का प्रत्यक्ष विवरण दिया गया। उक्त समारोह में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. रावेद्र बहादुर सिंह, स्वशासी परीक्षा नियंत्रक डॉ. प्रभाकर सिंह, राजनीतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. के बी सिंह, जूलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अरुणा सिंह ठाकुर एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक अतिथि विद्वान उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

जिला अधिवक्ता संघ का मतदान 30 जुलाई को सम्पन्न होगा

सीधी। जिला अधिवक्ता संघ सीधी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकाध्यक्ष पदाधिकारियो और पांच कार्यकारिणी सदस्यों के नवीन निर्वाचन प्रक्रिया वर्ष 2025-2027 के लिये आज दिनांक 3 जुलाई मुख्य चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश श्रीवास्तव और अन्य सहायक चुनाव अधिकारीयो के साथ बैठक मे निर्णय लिया गया कि जिला अधिवक्ता संघ सीधी के नवीन निर्वाचन के लिये निर्वाचन प्रक्रिया इस प्रकार से है कि नाम निर्देशन पत्रो की प्राप्ति दिनांक 14 जुलाई से 15 जुलाई समय 12.00 बजे दिन से 4.00 बजे शाम तक लिया जायेगा। नाम निर्देशन पत्रो की जांच दिनांक 16 जुलाई को समय 12.00 बजे दिन से 4.00 बजे शाम तक किया जायेगा। नाम निर्देशन पत्रो की वापसी दिनांक 17 जुलाई को समय 12.00 बजे दिन से 4.00 बजे शाम तक किया जायेगा। आवश्यक होने पर मतदान दिनांक 30 जुलाई को सुबह 10.00 बजे से 5.00 बजे शाम तक रहेगा। मतगणना दिनांक 31 जुलाई को सुबह 10 बजे से प्रारम्भ होगा।

सांदीपनि में सभी शिक्षकों ने किया पौधारोपण

सीधी। सांदीपनि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधों का रोपण किया गया। इस अभियान का नेतृत्व प्राचार्य आरती पाण्डेय ने किया। उन्होंने विद्यालय स्टाफ के साथ मिलकर परिसर में अमरूद, एलोवेरा, शमी, आवाला, आम, तुलसी, मीठी नीम एवं विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, जिला सीधी, (म०प्र०)

E-mail : deo.mpedsdh@mp.gov.in

सीधी, दिनांक 02.07.2025

वाहन निविदा विज्ञप्ति

सर्वसाधारण एवं ट्रेवलिंग एजेंसियों को सूचित किया जाता है कि आबकारी आयुक्त, मध्यप्रदेश ग्वालियर के पत्र क्रमांक/9-लेखा/बजट/ 2025-26/ई-415972/13 ग्वालियर, दिनांक 30.06.2025 द्वारा जारी किये गये मार्गदर्शी सिद्धांत/निर्देशानुसार अपराध नियंत्रण एवं प्रवर्तन कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी जिला सीधी के लिए 04 (चार) यूटिलिटी वाहन (हल्के 4 चक्का वाहन) दिनांक 01.08.2025 से दिनांक 31.03.2026 तक की अवधि के लिए किराये पर लिये जाने की प्रक्रिया टेण्डर के माध्यम से अनुबंध की जाना हैं। टेण्डर फार्म की कीमत 500/- रूपये निर्धारित हैं। उक्त टेण्डर फार्म की राशि शीर्ष अन्य प्राप्तियों (0039-00-800-0761 other receipts) के अंतर्गत ऑनलाईन जमा करने एवं चालान प्रति कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने के उपरॉत कार्यालयीन समय पर कार्यालय द्वारा टेण्डर फार्म उपलब्ध कराया जायेगा। **वर्ष 2025-26 के लिये वाहन किराये लगाये लिये जाने हेतु प्रतिमाह 2500 कि0मी0 चलने पर अधिकतम निर्धारित किराया रूपये 42000/- या टेण्डर की राशि के बराबर देय होगा। वाहन माह मे 2500 किलोमीटर तक उपलंभन/प्रवर्तन कार्य हेतु उपयोग किया जायेगा।** ड्रायवर का वेतन, डीजल, आयल एवं अन्य सभी खर्चे वाहन स्वामी द्वारा स्वयं वहन किया जावेगा। विभाग द्वारा टेण्डर राशि के अतिरिक्त कुछ भी भुगतान नही किया जावेगा। इच्छुक टेण्डरदाता टेण्डर फार्म कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी जिला सीधी कार्यालय करूणा भवन कलेक्ट्रेट सीधी में दिनांक 03.07.2025 से दिनांक 09.07.2025 को दोपहर 01.00 बजे तक प्राप्त कर जमा कर सकते है। प्राप्त टेण्डर दिनांक 10.07.2025 को सायं 03.00 बजे खोली जाकर स्वीकार की जावेगी। सफल टेण्डरदाता द्वारा दिनांक 01.08.2025 को वाहन कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा। टेण्डर खोलने के समय टेण्डरदाता की अनुपस्थिति टेण्डर स्वीकृति प्रकिया में बाधक नही होगी। वाहन अनुबंधित अवधि मे आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश मोतीमहल ग्वालियर द्वारा अनुबंधित वाहन संबंधित कोई नवीन आदेश जारी किये जाने पर उसका परिपालन करना बाध्यकारी होगा। वाहन स्वामी का व्यवहार उचित न होने पर, वाहन को बिना कोई पूर्व सूचना कि किसी भी समय हटाया जा सकेगा। जिसके लिये कोई छतिपूर्ति देय नही होगा। इच्छुक टेण्डरदाता टेण्डर फार्म, टेण्डर की शर्तो, निर्बधनों आदि की जानकारी अवकाश के दिन छोड़कर कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते है।

वाहन किराये पर लिये जाने हेतु प्रमुख शर्ते निम्नानुसार हैः-

1. वाहन किराये पर लगाये जाने के लिये नियमानुसार सर्विस टैक्स (सेवाकरदाता) पंजीकृत फर्म/संस्थाओ से निविदा आमंत्रित की जाती हैं। सर्विस टैक्स हेतु पंजीकरण न होने की दशा में संबंधित संस्था/फर्म द्वारा टैक्सी सेवाओ के दिये जाने संबंधी प्रचलित नियमों का पालन किया जाना अनिवार्य होगा।
2. वाहन क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में टैक्सी कोटे में अनिवार्यतः पंजीबद्व होनो चाहिए।
3. निविदा के साथ प्रतिभूति की राशि रूपये 4200/- प्रति वाहन जिला आबकारी अधिकारी, जिला सीधी के पक्ष में जारी, किसी भी राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थानीय शाखा में देयक बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक/बैंक कैश ऑर्डर/सावधि जमा के रूप में प्रस्तुत करना होगा।
4. टेण्डर प्रपत्र के साथ ही रूपये 100/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर शर्तो के पालन हेतु संबंधित निविदाकार को शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा।
5. नवीन/अच्छी स्थिति वाले वाहन को प्राथमिकता दी जायेगी।

वाहन किराये पर लिये जाने हेतु प्रमुख शर्तो के अलावा शेष शर्तें टेण्डर फार्म के साथ दी जावेगी।

(संतोष सिंह कुशवाह)
जिला आबकारी अधिकारी
जिला-सीधी (म.प्र.)

जी-15139/25

कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व,

शिवाजी नगर, नौढ़िया, जिला-सीधी, 486661, (मध्य प्रदेश)
फोन नम्बर-7822297542
E.mail. fdsajnp.sdh@mp.gov.in, fdsanjay_tr@rediffmail.com , website. www.sanjaytigerreserve.in

क्र./ई-निविदा/2025/..4269 सीधी दिनांक 02/07/2025

-: ई-निविदा सूचना :-

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासकीय हाथियों के भोजन के लिये निम्नांकित सामग्री के लिये वाणिज्यिक कर अधिनियम के तहत् पंजीकृत, प्रतिष्ठित निर्माताओं तथा अधिकृत विक्रेताओं से संजय टाईगर रिजर्व, सीधी की परिक्षेत्र दुबरी के लिये आनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क.	सामग्री का नाम	सामग्री प्रदाय मात्रा प्रति माह	सामग्री प्रदाय वर्ष में कुल मात्रा	प्रदाय स्थल
1	2	3	4	5
1	गेहू का आटा	1080 कि0ग्रा0	12960 कि0ग्रा0	संजय टाईगर रिजर्व, सीधी की परिक्षेत्र दुबरी के अंतर्गत हाथी कैम्प में प्रदाय किया जाना अनिवार्य है। जिला-सीधी (म0प्र0)
2	चने का आटा	120 कि0ग्रा0	1440 कि0ग्रा0	
3	गुड़	120 कि0ग्रा0	1440 कि0ग्रा0	
4	सोयाबीन का तेल	120 कि0ग्रा0	1440 कि0ग्रा0	
5	नमक	30 कि0ग्रा0	360 कि0ग्रा0	
6	नारियल का गोला	60 कि0ग्रा0	720 कि0ग्रा0	
7	गन्ना	2400 नग	28800 नग	
8	सर्को फेरास(फीड सप्लीमेन्ट)	30 कि0ग्रा0	360 कि0ग्रा0	
9	नीम तेल	30 कि0ग्रा0	360 कि0ग्राम	
10	अरंडी तेल	30 कि0ग्रा0	360 कि0ग्राम	

इस निविदा के लिये दिनांक 07.07.2025 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे हैं। टेण्डर की विस्तृत जानकारी **https://mptenders.gov.in/** के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 14.07.2025 समय शाम 3.00 तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 15.07.2025 को दोपहर 3.00 बजे रहेगा। उक्त निविदा वन विभाग की ऑफिशियल वेबसाईट **https://mpforest.gov.in/** पर भी देखी जा सकेगी।

उप संचालक
संजय टाईगर रिर्जव, सीधी

जी-15121/25

संपादकीय

डील पर न झुके भारत

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अटकी हुई है। मसला फंसा है कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर, जिसमें अमेरिका खुली छूट चाहता है। यह डील भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि इसके बिना उसे डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि अमेरिका की हर शर्त को मान लिया जाए। डील होनी चाहिए, पर ऐसी जिसमें भारत के हितों का भी ख्याल रखा गया हो।भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है और उन कुछ देशों में से एक है, जिसके साथ उसका ट्रेड सरप्लस है। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत ने अमेरिका से आयात की तुलना में 41 अरब डॉलर से ज्यादा का निर्यात किया था। ट्रंप प्रशासन की आंखों में यही चुभ रहा है और वह इस अंतर को कम करना चाहता है। ट्रंप ने फिलहाल 8 जुलाई तक रिसिप्रोकल टैरिफ से छूट दी है और अगर इस तारीख तक डील न हुई, तो माना जा रहा है कि भारत को अभी के 10 प्रतिशत के बजाय 26प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। कृषि को लेकर कोई भी डील आसान नहीं। देश की करीब 65 करोड़ आबादी कृषि पर निर्भर है और अमेरिका को इस सेक्टर में टैरिफ पर छूट देना, इनके हितों को खतरे में डालना है। भारत को लचीला रुख अपनाकर कृषि, डेयरी को भी अमेरिका के लिए खोलना चाहिए। लेकिन दोनों देशों के किसानों में जमीन-आसमान का अंतर है। आज भारत दुनिया के टॉप 10 कृषि उत्पाद निर्यातक देशों में से एक है, इसके बावजूद यहां खेती में अब भी उत्पादन पूरी क्षमता से नहीं हो रहा। करीब आधी आबादी के खेती करने के बाद भी जीडीपी में इस सेक्टर का योगदान केवल 18% है। कम जोत, मौसम पर निर्भरता, उचित मूल्य न मिलना जैसी समस्याएं हैं। अमेरिका की 2 प्रतिशत से भी कम आबादी खेती से जुड़ी है और जीडीपी में योगदान 5.5 प्रतिशत, जबकि रोजगार में 10.4 प्रतिशत है। एस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक, अमेरिका में औसत फार्म 466 एकड़ का होता है, जबकि भारत में एक किसान के पास औसतन महज पौन एकड़ जमीन है। अमेरिका में खेती बस खेतों तक सीमित नहीं, उससे जुड़े कई उद्योग हैं।

डिजिटल इंडिया का एक दशक, दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है

जहाँ दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और ग़रीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया।जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है। यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्टक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ।

(नरेंद्र मोदी)

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है। दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था।जहाँ दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे की नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया। जहाँ दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और ग़रीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया।जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है।

यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ। 2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं। आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

डिजिटल डिवाइड को पाटते हुए

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

भारत का 5 प्रतिशत रोलआउट विश्व में सबसे तेज़ रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुँच चुका है।

इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने क्क्ष जैसे प्लेटफार्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गयी है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपये की लीकेज रोकी गई है। स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है।

सभी के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण- भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है।

ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है।

जीएम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) आम आदमी को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है।

कल्पना कीजिए- आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप जीईएम पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के माध्यम से इसे और बड़ा बनाते हैं। ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है- जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ 6 महीनों में हुए हैं। बनारसी बुनकरों से लेकर नागालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुँच रहे हैं।

जीईएम ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपये का जीएमवी पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं, जिनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित एमएसएमई हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपये की आपूर्ति की है।

डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर- भारत का वैश्विक योगदान- भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई)- जैसे आधार, कोविन , डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-डब्ल्यूएएनआई , और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन- को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है।

कोविन ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ त्त्क्र सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए। डिजिलाकर जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से होस्ट कर रहा है।

भारत ने अपनी प्रतिशत 20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी और 25 मिलियन का सोशल इम्पैक्ट फंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें।

स्टार्टअप पॉवर और आत्मनिर्भर भारत- भारत अब विश्व के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहीं है, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है। भारत में युवाओं के बीच एआई स्किल्स और एआई टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है। .1.2 बिलियन इंडिया एआई मिशन के तहत भारत ने 34,000 जीपीयू की पहुँच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है –.1 से भी कम प्रति जीपीयू हावर इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकोनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है।

अशांति का नोबल किसको मिलेगा?

(सरयूसुत मिश्रा)

जितनी तेजी से युद्ध के लिए हथियार बनाए जा रहे हैं, उतनी तेजी से दूसरे काम नहीं हो रहे हैं. विश्व प्रगति का दावा करता है. सुपर पावर देश भी गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई से त्रस्त हैं, लेकिन अपनी ताकत से दूसरे देश को झुकाने के लिए जुटे हुए हैं।

रूस और यूक्रेन युद्ध चलते हुए सालों निकल गए हैं. कोई हल नहीं हुआ है. भारत-पाकिस्तान तो चार दिन में ही युद्ध से बाहर आ गए थे. इजराइल और ईरान को 12 दिन लगे. अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर ङ्क२ बॉम्बर बमों से हमला कर अपनी सुप्रीमेसी साबित करने से नहीं चूका।

विश्व की कूटनीति माइट इज राइट की नीति पर आगे बढ़ रही है. प्रॉक्सी वॉर से जो देश दूसरे देशों पर हमले कर रहे थे, उनका एक्स्पोज़र हो गया है. ईरान, इजराइल ने ईरान के प्रॉक्सी वॉर को सीधे युद्ध में बदल दिया. उसे अमेरिका का साथ मिला. जो दिखता है, उससे तो यही लगता है कि ईरान को ही इस युद्ध में हार मिली है. युद्ध में नुकसान तो दोनों का होता है. इजराइल को भी नुकसान हुआ है, लेकिन इजराइल अपने लक्ष्य हासिल करने में सफल दिखाई पड़ रहा है।

सुपर पावर अमेरिका के एक्शन को ज्यादती इसलिए नहीं कोई कहता क्योंकि उसके पास ताकत है. मुस्लिम देशों ने भी ईरान का खुलकर समर्थन नहीं किया. रूस और चीन ने समर्थन जरुर किया, लेकिन लड़ाई में तो जुबानी समर्थन का बहुत मतलब नहीं है।

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच देकर जो भी डिप्लोमेसी की गई हो लेकिन इससे ना अमेरिका का कद बढ़ा है और ना ही पाकिस्तान का. इसे राजा और रंक के रूप में ही देखा जा सकता है. अमेरिका को ईरान पर हमले के लिए पाकिस्तान का एयर स्पेस चाहिए था. लड़ाई बढ़ने पर उनके बेस चाहिए थे. आसिफ मुनीर को अमेरिका से डॉलर चाहिए था।

पाकिस्तान को राष्ट्र की संप्रभुता का कोई सवाल ही नहीं है, उनकी सेना तो किराए पर युद्ध लड़ती है. अफगानिस्तान के समय भी पाकिस्तान की सेना ने ऐसा ही किया और इस बार भी ईरान के खिलाफ अमेरिका के सामने सरेंडर करके वही चरित्र दोहराया गया है।

जहां तक भारत का सवाल है, भारत ने ईरान और इजरायल दोनों के साथ अपनी दोस्ती को न केवल स्वीकारा है, बल्कि शांति बहाली के लिए प्रयास किया. ईरान के राष्ट्रपति ने भी भारत के प्रधानमंत्री को फोन किया और इजरायल की ओर से भी सतत संपर्क बनाए रखा गया. दोनों देशों में भारतीय नागरिकों को निकालकर लाने में आपसी सहयोग बड़ी कूटनीतिक सफलता है।

भारत का स्टैंड सही साबित हुआ है. इसमें सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तान को उठाना पड़ा है. मुस्लिम भाईचारे को पाकिस्तान ने तिलांजलि दी. ईरान के खिलाफ अमेरिका के सामने सरेंडर किया, जबकि ऑपरेशन सिंदूर के समय ईरान ने प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का ही सहयोग किया था. संघर्ष विराम के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल धन्यवाद देने के लिए तेहरान गए थे।

ईरान और इजरायल के बीच ना तो क्षेत्रफल में कोई तुलना है ना आबादी में कोई बराबरी है, ना सैन्य बल में कोई बराबरी है. इसके बावजूद इजराइल ने चौतरफा अपने अस्तित्व को ना केवल कायम रखा है, बल्कि डेवलपमेंट में भी इस देश ने उल्लेखनीय काम किया है।

अगर युद्ध बढ़ता तब भारत पर भी प्रभाव पड़ता. मिडिल ईस्ट में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं. कच्चा तेल भी भारत वहां से खरीदता है। फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर का ट्रंप को नोबेल पुरस्कार वाला दांव उल्टा पड़ गया है. पाकिस्तान मुस्लिम वर्ल्ड में भी एक्सपोज हो गया है. चीन भी पाकिस्तान से नाराज हो गया है. भारत के लिए यह अनुकूल परिस्थितियां दिखाई पड़ती हैं, जो इजरायल-ईरान को परमाणु संपन्न देश बनने के प्रयास को नष्ट करने के लिए युद्ध शुरू कर सकता है, वह इजरायल आगे पीछे परमाणु संपन्न पाकिस्तान की क्षमता को भी नष्ट करने का प्रयास करेगा. ईरान और पाकिस्तान के रिश्ते इस युद्ध में ना केवल खराब हुए हैं, बल्कि ईरान के स्वाभिमान को चोट लगी है, जिसका दुष्परिणाम पाकिस्तान को भुगतना पड़ेगा।

पाकिस्तान के सामने आंतरिक चुनौतियां, बाहरी चुनौतियों से भी ज्यादा हैं. तालिबान उनके खिलाफ हैं. अब ईरान खिलाफ हो जाएगा. भारत के साथ तो उनका दुश्मनी वाला व्यवहार है. अमेरिका के साथ पाकिस्तान की नजदीकी के कारण चीन भी उनसे दूरी बनाएगा. ऐसे हालत में अगर पाकिस्तान के आंतरिक विद्रोह को हवा देने में इन देशों की ओर से प्रॉक्सी सहयोग दिया गया तो फिर पाकिस्तान के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा।

भारत ने सिंधु जल संधि निलंबित कर रखी है. पाकिस्तान में इसको लेकर हाहाकार मचा हुआ है, लेकिन भारत के साथ उनकी बातचीत की कोई संभावना नहीं है. सारी परिस्थितियां पाकिस्तान के लिए विस्फोटक बनी हुई हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ प्यार का इजहार कर विश्व कूटनीति में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए अवसर दे दिया है. दुनिया के हर आतंकवादी घटना में पाकिस्तान का हाथ निकलता है. अमेरिका इसी हाथ को थमना चाहता है।

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था दुनिया के सुपर पावर देशों को चुनौती लग रही है. भारत में आतंक के विरुद्ध न्यू नॉर्मल को अब दुनिया को स्वीकार ही करना पड़ेगा. विश्व को मानवता की जीत के लिए एकजुट होना जरूरी है. किसी देश की जीत-हार का नैरेटिव उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना मानवता की जीत। भारत तो बुद्ध का देश है. शांति उसका डीएनए है. राष्ट्रवाद उसकी ताकत है. मेड इन इंडिया उसका नया शास्त्र है. उसका सामर्थ्य नया नैरेटिव है।

डोनाल्ड ट्रंप को शांति का नोबेल पुरस्कार देने की अनुशंसा वैसे ही है, जैसे झूठ-झूठ से कह रहा है, कि सच बोलो. बम बरसाने वालों को नोबेल शांति पुरस्कार मिलेगा, तो फिर अशांति का नोबेल किसको मिलेगा?

वर्ग पहेली 5781

1	2	3		4	5		6
7				8			
		9	10				
		11				12	
	13				14		
	15					16	17
18			19			20	
21					22		

संकेत: बाएं से दाएं

1. केवल महिलाओं हेतु विश्व का सबसे बड़ा विश्व विद्यालय इस देश में स्थापित है (6)
7. यह मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कृति है जिस पर फिल्म (1966) निर्माण हुआ है (3)
8. सारी दुनिया का उलट-पलट (4)
9. भरोसा, विश्वास, यकीन (4)
11. किसी वस्तु, जगह आदि के अंदर (अंग्रेजी)(2)
12. बतौर नायक-नायिका यह ऋषि कपूर-डिंपल कपाड़िया की पहली फिल्म थी (2)
13. यह ब्रिटेन देश का राष्ट्रीय पुष्प है, इसे अंग्रेजी में रोज कहते है (3)
14. चैत्र माह की फसल (2)
15. बलिदत्त, जिसे युद्ध में प्राण त्याग दिए हों (3)
16. जितना समय लगना चाहिए उससे अधिक समय, विलंब (2)
19. पैगंबर, ईशदूत, रसूल (2)
20. तुषार पात, अंतरिक्ष जल (2)
21. बृहत्तर एंटिलीज के सबसे बड़े द्वीप क्यूबा की यह राजधानी है (3)
22. बर्षद, जलदाता, नीरद (3)

ऊपर से नीचे

1. तटवर्ती प्रवाहहीन जल (3)
2. उकताहट, बैचेन, मनोरंजनहीन (2)
3. यशस्वी मुगल सम्राट अकबर द्वारा चलाया धर्म (6)
4. क्षेत्रफल, अहाता (3)
5. सचल वायु, अलमस्त हवा, बहती हवा (3)
6. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
10. यह गोविंदा अभिनीत पहली फिल्म थी (5)
12. धर्मेंद्र के अभिनेता पुत्र (5)
13. बदख्वाह, जिसके मन में कुछ और मुंह पर कुछ हो (उर्दू)(2)
17. कच्चा आहार पदार्थ, सामान, पूति (3)
18. एक शब्द जिसके द्वारा वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त किसी तीसरे मनुष्य का संकेत किया जाता है (4)

वर्ग पहेली 5780 का हल

र	वी	न्द्र	ना	थ	टे	गो	र
च	र		पा	ल	क		म
ना	ग	लो	क		ल	प	क
	ति	न		रौ		ह	
मे			स	म	का	ली	न
ह	ब	रा	ना		का	ति	ल
दू	ना		त	ल		थि	
त	व		न	व	ल		

नाटो देश खरीद रहा मेक इंडिया वाला हथियार, ट्रंप अमेरिका को ग्रेट बनाते रह गए, भारत बना डिफेंस का नया किंग?

(अभिनय आकाश)

सीएचआईएमईआरए 200 एक विश्व स्तरीय काउंटर-यूएएस प्रणाली है जिसमें विशेष वाइडबैंड डिटेक्शन और न्यूट्रलाइजेशन क्षमताएं हैं, जो सर्वदिशात्मक और दिशात्मक दोनों तरह के संचालन का समर्थन करती हैं। इसका अनुकूली, अपग्रेड करने योग्य विन्यास 400 मेगाहर्ट्ज से 6 गीगाहर्ट्ज आवृत्तियों पर ड्रोन, रिमोट कंट्रोल और उनके टेक-ऑफ और नियंत्रण स्थानों सहित सटीक खतरे का पता लगाने में सक्षम बनाता है, जिसमें अधिकतम पांच एक साथ बैंड शामिल हैं।

दुनिया हैरान है और भारत गर्वित महसूस कर रहा है क्योंकि भारत की कंपनी पारस डिफेंस और स्पेस टेक्नलॉजी को नाटो देश फ्रांस की प्रतिष्ठित रक्षा कंपनी से 22.21 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला है। ये सिर्फ एक डील नहीं बल्कि भारत के डिफेंस साम्राज्य की शुरुआत है। कहा तो ये भी जा रहा है कि भारत अब डिफेंस टेक्नोलॉजी में सुपर पावर बनने जा रहा है। दरअसल, खबर सामने आ रही है कि पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयर में 3.71% की बढ़ोतरी हुई और यह 1,687.80 रुपये पर पहुंच गया। इसकी सहायक कंपनी पारस एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजीज को फ्रांस की सेरबेयर से सीएचआईएमईआरए 200 एंटी-ड्रोन सिस्टम की 30 इकाइयों की आपूर्ति के लिए 22.21 करोड़ रुपये का आशय पत्र मिला है। उक्त सौदा भारत के रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक बड़ी निर्यात सफलता है।

सीएचआईएमईआरए 200 एक विश्व स्तरीय काउंटर-यूएएस प्रणाली है जिसमें विशेष वाइडबैंड डिटेक्शन और न्यूट्रलाइजेशन क्षमताएं हैं, जो सर्वदिशात्मक और दिशात्मक दोनों तरह के संचालन का समर्थन करती हैं। इसका अनुकूली, अपग्रेड करने योग्य विन्यास 400 मेगाहर्ट्ज से 6 गीगाहर्ट्ज आवृत्तियों पर ड्रोन, रिमोट कंट्रोल और उनके टेक-ऑफ और नियंत्रण स्थानों सहित सटीक खतरे का पता लगाने में सक्षम बनाता है, जिसमें अधिकतम पांच एक साथ बैंड शामिल हैं। इसकी विकासपरक आरएफ वास्तुकला, सी2 और हथियारों के एकीकरण के लिए सुरक्षित एपीआई, कम गलत अलार्म दर और स्केलेबल डिज़ाइन यह सुनिश्चित करता है कि यह आज ड्रोन खतरों का मुकाबला कर सकता है जबकि आईईडी, सिग्नल स्पूफिंग और व्यापक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की जरूरतों को संबोधित करने के लिए विकसित हो रहा है।

पारस एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीएफओ) आशुतोष बहेती ने कहा- सीईआरबीएआईआर के साथ हमारा सहयोग उन्नत एंटी-ड्रोन प्रौद्योगिकियों के विश्वसनीय स्रोत के रूप में भारत के बढ़ते कद का प्रमाण है।

आज का राशिफल

मेष
आज दिन आर्थिक मामलों में शुभ है और आपको धन सम्?मान का लाभ होगा। भूमि, भवन, वाहन आदि से संबंधित किसी बड़ी डील में लाभ मिल सकता है। यदि आप प्रॉपर्टी डीलिंग या निर्माण क्षेत्र से जुड़े हैं, तो अच्छे सौदे होंगे। व्यापार में कोई बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना है।

वृष
आज कारोबार में उन्?नति के योग बन रहे हैं। व्यवसाय में कुछ नए क्लाइंट जुड़ सकते हैं, जिससे आय का प्रवाह बढ़ेगा। शेयर बाजार या रियल एस्टेट में सोच-समझकर किया गया निवेश लाभदायक रहेगा। नौकरी में परिवर्तन के योग हैं, जो आर्थिक दृष्टि से लाभदायक रहेंगे। पुराने कर्ज से मुक्ति के प्रयास सफल होंगे।

मिथुन
आज आर्थिक रूप से दिन अनुकूल रहेगा और आपको अचानक से बड़ी मात्रा में कहीं से रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। विदेशी संपर्कों या आयात-निर्यात से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। नौकरीपेशा जातकों को सीनियर्स की सराहना मिलेगी।

कर्क
आज भाग्?य साथ दे रहा है और धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। जो लोग सरकारी क्षेत्र या प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए दिन फलदायी है। नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो समय अनुकूल है।

सिंह
आज दिन भाग्?यशाली है और धन लाभ के लिए दिन शुभ है। पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिल सकता है। नौकरी में प्रगति के संकेत हैं, विशेषकर वेतनवृद्धि या पदोन्नति की संभावना बन रही है। बिजनस से जुड़े लोगों को उच्च अधिकारियों या सरकारी विभागों से लाभ होगा।

कन्या
आज लाभ के योग बने हैं। आर्थिक दृष्टि से समय बेहतर हो रहा है। व्यापारियों के लिए नए अवसर उभर सकते हैं, खासतौर पर फैशन, डिजाइनिंग, टेक्नॉलजी और मेडिकल से जुड़े क्षेत्रों में आपके लिए तरक्?की के योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा लोग अपने काम से बॉस को प्रभावित करेंगे।

तुला
आज आर्थिक मामलों में बड़ा लाभ होने के योग हैं। व्यावसायिक दृष्टि से दिन लाभप्रद है। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। करियर में नई दिशा मिलने के संकेत हैं। किसी बड़े प्रॉजेक्ट की शुरुआत हो सकती है। बैंकिंग या बीमा क्षेत्र से जुड़े लोगों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। आय-व्यय का संतुलन बनाए रखें।

वृश्चिक
आज दिन काफी खर्चीला रहेगा और आपको आमदनी से अधिक व्यय करना पड़ सकता है। अचानक से कुछ ऐसे खर्चे आ सकते हैं जिनके बारे में आपने सोचा नहीं होगा। फिजूल खर्च से बचें। व्यापार में निवेश करते समय विशेष सतर्कता रखें।

धनु
आज तरक्?की के योग बन रहे हैं। भाग्यवश अचानक धन लाभ हो सकता है। साझेदारी में किया गया कोई व्यापारिक निर्णय सफल होगा। शिक्षा, कंसल्टेंसी, पर्यटन या मेडिकल फील्ड से जुड़े लोग अच्छा लाभ कमा सकते हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद सुलझ सकते हैं।

मकर
आज भाग्य साथ दे रहा है और कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाओं को मंजूरी मिल सकती है। जो लोग नौकरी में स्थिरता चाहते हैं उन्हें उच्चाधिकारियों का समर्थन मिलेगा। अकाउंटिंग, मैनेजमेंट या रियल एस्टेट में लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी लेकिन अत्यधिक वर्कलोड तनाव भी दे सकता है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

कुंभ
आज आज साथ दे रही है और कार्यक्षेत्र में नयापन आएगा। आप अपनी सोच से सबको प्रभावित करेंगे। किसी प्रतियोगी या पुराने सहयोगी से फिर से संपर्क बनेगा, जिससे लाभ होगा। तकनीकी क्षेत्र, सॉफ्टवेयर, डेटा और इंजीनियरिंग से जुड़े लोगों को अच्छा अवसर मिलेगा। खर्चों की अधिकता हो सकती है, लेकिन आय भी बनी रहेगी।

मीन
आज किस्मत साथ दे रही है। आपका आत्मविश्वास और धैर्य आपके लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। बिजनस में विस्तार के लिए नए क्लाइंट या निवेशक से संपर्क बनेगा। मेडिकल, स्पिरिचुअल, एजुकेशन या केयर संबंधी क्षेत्रों में जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे और अटका पैसा वापस आ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा कर सकते हैं मंत्रिमंडल विस्तार

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा बृहस्पतिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 2023 के विधानसभा चुनाव में सत्ता पर लौटने के बाद साहा मुख्यमंत्री बने। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के उनकी सरकार में शामिल होने के बाद उन्होंने पार्टी के दो विधायकों को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया। सरकार के एक निमंत्रण पत्र में बुधवार को कहा गया है, ''त्रिपुरा के राज्यपाल द्वारा मंत्री-मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर त्रिपुरा सरकार के मुख्य सचिव तीन जुलाई को अपराह्न डेढ़ बजे दरबार हॉल, राजभवन में आपकी उपस्थिति की अपील करते हैं।'' मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अगरतला में राजभवन में राज्यपाल एन. इंद्रसेन रेड्डी से मुलाकात की थी। हालांकि, बुधवार को पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने संभावित मंत्रिमंडल विस्तार पर बोलने से इनकार कर दिया था। अभी साहा 11 सदस्यीय मंत्रिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं जबकि एक पद अब भी रिक्त है। इस 11 सदस्यीय मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत भाजपा के आठ सदस्य हैं जबकि टीएमपी के दो मंत्री और इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) का एक सदस्य है।

केंद्र का केरल के प्रति नकारात्मक रुख बरकरार : मुख्यमंत्री

तिरूअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का केरल के प्रति नकारात्मक रुख जारी है और उसने ओणम त्योहार के लिए अतिरिक्त चावल आवंटन की राज्य की मांग को खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक 'पोस्ट' साझा कर सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर केंद्र सरकार के कथित केरल विरोधी रुख का विरोध करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि केरल की मांग है कि गैर-प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति कार्ड पांच किलोग्राम चावल 8.30 रुपये की दर से उपलब्ध कराया जाए, जो वर्तमान में राज्य को अतिरिक्त आवंटन के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह भी मांग की है कि गेहूं का आवंटन बहाल किया जाए, जो दो साल पहले तक अतिरिक्त आवंटन के रूप में दिया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओणम जैसे विशेष अवसरों के दौरान बाजार में चावल की कीमत को बढ़ने से रोकने के लिए गैर-प्राथमिकता वाले वर्गों को यथासंभव खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। विजयन ने कहा, इसी संदर्भ में राज्य ने गैर-प्राथमिकता वाले वर्गों को अतिरिक्त चावल आवंटन की मांग की है। उन्होंने कहा, गैर प्राथमिकता वाले वर्गों को गेहूं का आवंटन बहाल करने की मांग उठाई गई लेकिन केंद्र सरकार इन मांगों को खारिज कर रही है। ये मांग आम लोगों की मदद के लिए हैं। इस संबंध में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट विरोध किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार की केरल विरोधी नीति को दुरुस्त करने के लिए लोगों का विरोध जरूरी है। इसके लिए हमें एकजुट होना होगा।

लाउडस्पीकर बैन के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची मस्जिदों की कमेटी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मस्जिदों में अजान के लिए लगाए गए लाउडस्पीकर हटाए जाने के खिलाफ मुस्लिम पक्षों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले पर अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जवाब मांगा है। जस्टिस रवींद्र वी घुगे और जस्टिस एमएम सत्ये की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया कर कोर्ट को 9 जुलाई तक अपना जवाब देने को कहा है। इससे पहले मुंबई में कई मस्जिदों, दरगाहों और धार्मिक स्थलों का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इत्तेहाद ओ तरक्की मदीना जामा मस्जिद और अन्य द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि पुलिस की कार्रवाई मनमानी थी और मुस्लिम संस्थानों को टारगेट किया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि इस साल अप्रैल से ही पुलिस ने मनमाने तरीके से एक्शन लिया है। याचिका में क्या? याचिका के मुताबिक ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए कई मस्जिदों और दरगाहों को नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि नोटिस में उल्लंघन को लेकर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई थी। याचिका में दावा किया गया है कि पुलिस मस्जिदों और दरगाहों को चुनिंदा तरीके से निशाना बना रही है और इससे इबादत करने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल जरूरी- मुस्लिम पक्ष याचिका में आरोप लगाया गया है, पुलिस की पूरी कार्रवाई मुस्लिम समुदाय के खिलाफ है और भेदभाव का नतीजा है। यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में आरोप लगाया गया कि पुलिस निहित राजनीतिक हितों के इशारे पर काम कर रही है। याचिका में यह भी कहा गया है कि अजान इस्लाम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और मुंबई जैसे शहर में लोगों को नमाज के लिए बुलाने के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल जरूरी है।

खेल महासंघों पर नकेल कसने की तैयारी, मॉनसून सत्र में विधेयक ला रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल महासंघों में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार संसद के आगामी मॉनसून सत्र में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पेश करने की तैयारी में है। यह विधेयक देश में पहली बार एक खेल नियामक संस्था के गठन का प्रावधान करता है, जो राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर खेल संगठनों के कामकाज की निगरानी करेगी। इस विधेयक का उद्देश्य एक स्वतंत्र खेल नियामक की स्थापना करना और सभी खेल महासंघों को सूचना का अधिकार अधिनियम के दायरे में लाना है।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, विधेयक में भारतीय खेल नियामक निकाय बनाने, खेल महासंघों को ऋक्षद्ध के दायरे में लाने और एथलीट आयोग व अपीलीय खेल न्यायाधिकरण बनाने का प्रावधान है। मंगलवार को केंद्र सरकार ने नई खेलो भारत नीति 2025 को मंजूरी दे दी है, जिसमें खेल महासंघों के शासन के लिए एक वैधानिक ढांचा तैयार करने की बात कही गई है। इसी नीति के तहत खेल मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित विधेयक को अब संसद में लाया जाएगा।

विधेयक के 3 प्रमुख प्रावधान

1. भारतीय खेल नियामक संस्था : यह पांच सदस्यीय निकाय होगा, जिसकी अध्यक्षता खेल सचिव करेंगे। इसमें एक खेल रत्न पुरस्कार विजेता और एक द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता को भी सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। इसका कार्य सभी ओलंपिक, पैरा ओलंपिक और अन्य खेल महासंघों को मान्यता देना और उनके प्रशासन, नैतिकता एवं वित्तीय मामलों में निगरानी रखना होगा।

2. एथलीट आयोग और अपीलीय खेल न्यायाधिकरण : विधेयक में एक एथलीट आयोग और अपीलीय खेल न्यायाधिकरण की स्थापना का भी प्रस्ताव है। एथलीट आयोग खिलाड़ियों के हितों की रक्षा करेगा, जबकि अपीलीय न्यायाधिकरण खेल प्रशासन से संबंधित विवादों का निपटारा करेगा। यह तीन सदस्यीय ट्राइब्यूनल होगा, जिसकी अध्यक्षता एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश करेंगे। यह संस्था खेलों से जुड़े विवादों और अपीलों की सुनवाई करेगी।

3.आरटीआई के दायरे में आएंगे खेल महासंघ : विधेयक के तहत सभी खेल महासंघों को ऋक्षद्ध अधिनियम के दायरे में लाया जाएगा। हालांकि, कुछ संवेदनशील जानकारी जैसे कि टीम चयन, खिलाड़ियों के प्रदर्शन, चोट, और चिकित्सा रिकॉर्ड को ऋक्षद्ध के दायरे से बाहर रखा जाएगा। इस कदम का उद्देश्य खेल संगठनों में जनता की भागीदारी और जवाबदेही को बढ़ाना है।

अतीत में भी हुई थी कोशिश : यह पहला मौका नहीं है जब खेल प्रशासन में सुधार की बात उठी हो। यूपीए-2 सरकार के दौरान तत्कालीन खेल मंत्री अजय माकन ने भी एक ऐसा ही विधेयक लाने की कोशिश की थी, जिसमें खेल महासंघों में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने की बात कही गई थी। हालांकि उस समय राजनीतिक विरोध के चलते वह विधेयक संसद में नहीं पहुंच सका। संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त 2025 तक चलेगा, जिसमें 23 दिन की अवधि में कई महत्वपूर्ण विधायी एजेंडों पर चर्चा होगी। इस सत्र में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अलावा, वित्त विधेयक, भारतीय वायुयान विधेयक 2024, बॉयलर्स विधेयक, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक, और रबर (संवर्धन और विकास) विधेयक जैसे अन्य प्रमुख विधेयक भी पेश किए जाएंगे। इसके अलावा, सत्र में ऑपरेशन सिंदूर जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों और हाल के राष्ट्रीय विकास पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर समावेशी और एकजुट चर्चा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

खेल प्रशासन में सुधार की जरूरत : पिछले कुछ वर्षों में, कई खेल महासंघों पर कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार, और पारदर्शिता की कमी के आरोप लगे हैं। केंद्र सरकार का यह कदम इन समस्याओं का समाधान करने और खेल संगठनों को अधिक पेशेवर और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऋक्षद्ध के दायरे में आने से खेल महासंघों पर जनता का विश्वास बढ़ेगा और खिलाड़ियों के हितों की बेहतर रक्षा होगी।

अब तो माफी मांग लें देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे- सांसद संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से माफी की मांग की है। उन्होंने यह माफी ठाकरे परिवार से मांगने के लिए कहा है। दिशा सालियन मौत मामले में मुंबई पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) के द्वारा हत्या या किसी साजिश की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करने के बाद आया है। एसआईटी की इस रिपोर्ट के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीजेपी नेताओं पर जोरदार हमला बोला है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से आदित्य ठाकरे से माफी मांगने की मांग की है। संजय राउत ने कहा, अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आदित्य ठाकरे से माफी मांगनी चाहिए। नारायण राणे के बेटे नितेश राणे, फडणवीस, बीजेपी के अन्य नेता, एकनाथ शिंदे सभी को आदित्य ठाकरे और शिवसेना से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। संजय राउत का आरोप है कि इन नेताओं ने दिशा सालियन की मौत वाले मामले में जानबूझकर आदित्य ठाकरे का नाम उछालकर चरित्र हनन किया। एसआईटी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दिशा सालियन की मौत एक दुर्घटना थी। गिरने से उनकी मौत हुई थी। जांच में किसी प्रकार की साजिश या आपराधिक गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। जांच के दौरान सभी गवाहों के बयान, फॉरेंसिक रिपोर्ट और मोबाइल डेटा की जांच की गई है। दिशा सालियन दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। 8 जून 2020 को मलाड स्थित इमारत से गिरकर उनकी मौत हो गई थी। उस समय बीजेपी नेताओं ने दावा किया था कि इस मामले में बड़े नेताओं की संलिप्तता हो सकती है और नाम लेकर आदित्य ठाकरे को निशाना बनाया गया था। अब एसआईटी रिपोर्ट सामने आने के बाद शिवसेना (यूबीटी) बीजेपी को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित अभियान चलाने का दोषी ठहरा रही है। राउत ने कहा, इन झूठे आरोपों ने न सिर्फ आदित्य ठाकरे की छवि खराब करने की कोशिश की, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति को भी गंदा किया।

झगड़ा करके गुस्से में मायके गई पत्नी, वापस आने से मना करने पर पति ने लगाई फांसी

फिरोजाबाद, एजेंसी। यूपी के फिरोजाबाद में थाना बसई मोहम्मदपुर के सोफीपुर में एक युवक का पहले पत्नी से झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद पत्नी मायके गई तो युवक ने उसे बुलाने का प्रयास किया, लेकिन पत्नी के वापस न आने क्षुब्ध होकर युवक ने बुधवार दोपहर में फांसी लगा ली। हालांकि परिजनों को समय रहते जानकारी मिल गई तो उसे उतार कर उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए हैं। गांव सोफीपुर निवासी 40 वर्षीय महेश चंद्र पुत्र नरपति सिंह का अपनी पत्नी गंगा देवी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद में गंगा देवी अपनी दो पुत्री तथा एक पुत्र को लेकर थाना टूंडला के गांव अनवारा स्थित अपने मायके चली गई। जिससे महेश और भी ज्यादा क्षुब्ध हो गया। उसने अपनी पत्नी को बुलाने का प्रयास किया लेकिन वह वह मायके से नहीं आई। इससे परेशान महेश ने बुधवार दोपहर फांसी लगा ली। परिजनों की निगाह फांसी पर लटके महेश पर गई तो चीख-पुकार मच गई। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आनंन फानन में उसे फांसी से उतारा तथा उसे उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए। जहां पर उसका उपचार जारी है।

सोनिया और राहुल गांधी ने 2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने के लिए रची साजिश, ईडी ने कोर्ट को बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में बुधवार को एक विशेष अदालत को बताया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की 2000 करोड़ की संपत्ति को हड़पने के लिए यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के माध्यम से साजिश रची थी। ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने अदालत में यह दलील दी है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एसवी राजू ने अदालत से कहा, यंग इंडियन एक नॉट-फॉर-प्रॉफिट कंपनी बनाई गई, जिसमें राहुल और सोनिया गांधी की 76प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इस कंपनी ने कांग्रेस से लिए गए 90 करोड़ के कर्ज के बदले एजेएल के शेयर हासिल कर लिए। यह सारा लेन-देन कागज़ी था और इसका उद्देश्य केवल एजेएल की संपत्तियों पर कब्जा करना था।

एजेएल कभी नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करता था। यह कंपनी वर्षों से नुकसान में चल रही थी, लेकिन उसके पास 2000 करोड़ से अधिक की संपत्ति थी। ईडी के अनुसार, यंग इंडियन के पास 50 लाख की भी क्षमता नहीं थी, फिर भी उसे 90 करोड़ का पूरा कर्ज ट्रांसफर कर दिया गया। राजू ने कहा, अगर किसी के पास 2000 करोड़ की संपत्ति है और 90 करोड़ का कर्ज है तो वो संपत्ति बेचकर कर्ज चुका सकता है। कोर्ट में कहा गया कि

एजेएल और यंग इंडियन दोनों पर गांधी परिवार का पूरा नियंत्रण था।

एजेएल ने कांग्रेस से कर्ज लेकर उसे चुकाने की जगह यंग इंडियन को शेयर देकर कंपनी का स्वामित्व सौंप दिया। ईडी का आरोप है कि यह सारा प्लान गांधी परिवार को निजी लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया। कई नकली लेन-देन, बनावटी किराया रसीदें और फर्जी अग्रिम भुगतान वर्षों तक किए गए।

कोर्ट में क्या हुआ : विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत में बुधवार को यह सुनवाई हुई। ईडी ने दावा किया कि 2015 तक केवल राहुल और सोनिया गांधी ही एजेअल की संपत्ति और कामकाज के असली लाभार्थी थे। कांग्रेस की यह दलील कि एजेएल को नेहरू ने शुरू किया था। राजू ने कहा कि सिर्फ इससे संपत्ति हड़पने का अधिकार नहीं बनता।

पाकिस्तान कैसे बन गया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष- कांग्रेस ने उठाए सवाल

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण पद मिलने पर बुधवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा है कि पाकिस्तान को यह पद मिलना भारत की विदेश नीति की विफलता है। कांग्रेस ने इसे भारत के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका भी बताया। इसी पहले पाकिस्तान ने मंगलवार को जुलाई के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाली है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की यह अध्यक्षता, यूएनएससी के अस्थायी सदस्य के तौर पर पाकिस्तान के दो साल के कार्यकाल का हिस्सा है। पाकिस्तान की अस्थायी सदस्यता जनवरी 2025 में शुरू हुई है।

इसके अलावा इस दौरान पाकिस्तान तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता करेगा और संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद रोधी समिति के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य करेगा। पाकिस्तान को इन अहम पदों की जिम्मेदारी मिलने पर विपक्षी दल कांग्रेस ने पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को घेरा। कांग्रेस महासचिव

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, ''आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान को अब वैश्विक सुरक्षा का ठेकेदार बना दिया गया है। अब शैतान ही कुर्सी पर बैठा है।''

सुरजेवाला ने कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है जिसका आतंकवादियों को शरण देने, आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत में आतंक फैलाने का इतिहास है और ऐसे में उसे वैश्विक नेतृत्व की भूमिकाएं दी जा रही हैं, जबकि भारत आज भी पाक प्रायोजित आतंकवादी हमलों का सामना कर रहा है।

सुरजेवाला ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर विदेश नीति पर दिखावटी वादें करते है और वे इस परिणाम को रोकने के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने में विफल रहे। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि क्या कर रहे हैं।

उन्होंने भारत के पारंपरिक कूटनीतिक संबंधों में आई 'गिरावट' पर भी दुख जताया। उन्होंने कहा, ''हमारे पुराने और विश्वसनीय सहयोगी, वे संबंध जो कांग्रेस ने सालों में एशिया और पड़ोसी देशों में बनाए थे, अब हमसे दूर हो गए हैं। आज हम अलग-थलग पड़ गए हैं। यहां तक कि मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे छोटे देश भी अब हमारे साथ नहीं खड़े हैं।'' सुरजेवाला ने कहा, ''कूटनीति केवल फोटो खिंचवाने और दिखावे से नहीं चलती।

भारत की एक और कार्रवाई, फिर बैन हुए पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया हैंडल

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव आ चुके हैं। भारत ने पड़ोसी के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। उनमें पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को बैन करने जैसी कार्रवाई भी शामिल है। हालांकि बुधवार को उनके अकाउंट अनब्लॉक किए गए थे, लेकिन इसके एक दिन बाद ही एक बार फिर से ब्लॉक कर दिए गए हैं। गुरुवार सुबह से ही शाहिद अफरीदी, मावरा होकेन, युमना जैदी, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे लोकप्रिय सितारों के इंस्टाग्राम और ट्विटर अकाउंट्स भारतीय यूजर्स के लिए बैन हो गए हैं। बुधवार को इन सितारों के अकाउंट्स कुछ घंटों के लिए फिर से भारत में दिखाई देने लगे थे, जिससे लगा कि शायद सोशल मीडिया बैन हटा लिया गया है। लेकिन गुरुवार सुबह तक भारतीय यूज़र्स को इंस्टाग्राम पर संदेश दिखने लगा जिसमें लिखा आ रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है। सरकार की ओर से बैन हटाने या दोबारा लागू करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि यह कदम स्थायी है या अस्थायी। पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के खिलाफ यह प्रतिबंध भारत के सैन्य

अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगाया गया था।

भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। भारत के द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ उठाए गए कदमों की कई पाकिस्तानी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर आलोचना की थी, जिसके बाद भारतीय यूज़र्स के लिए उनके अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया था। बुधवार को अचानक इन अकाउंट्स के लौटने पर फैंस ने आश्चर्य जताया और सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। लेकिन एक दिन बाद ही दोबारा बैन लग जाने से अब यूजर्स में नाराजगी और भ्रम की स्थिति है।

उप्र का अध्यक्ष तय होने के बाद ही जेपी नड्डा के विकल्प पर लगेगी मुहर

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा ने सोमवार से लेकर बुधवार तक 9 राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान कर दिया है। इन राज्यों में यूपी से लगते उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार जैसे राज्य भी शामिल हैं, लेकिन सबसे ज्यादा आबादी वाले सूबे को अब भी इंतजार है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कार्यकाल पहले ही समाप्त हो गया है, लेकिन अब तक उनके विकल्प का इंतजार है। वहीं चर्चा यह भी है कि उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष तय होने के बाद ही जेपी नड्डा के विकल्प पर मुहर लगेगी। फिर भी उत्तर प्रदेश में पार्टी यदि अपने मुखिया का नाम तय नहीं कर पा रही है तो उसके कुछ कारण है। पहला कारण यह है कि सामाजिक समीकरण साधने के लिए मंथन हो रहा है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के साथ ही केंद्र के साथ तालमेल बनाने वाले नेता की भी तलाश है। ऐसे में संतुलन वाले नेता की जरूरत है और उसकी तलाश के लिए मंथन चल रहा है। फिलहाल चर्चा में कई नाम हैं, जिनके सहारे भाजपा एक सॉफ्ट ध्रुवीकरण की संभावना पैदा करना चाहेगी। जैसे एक नाम धर्मपाल सिंह लोधी का भी चर्चा में है। वह लोध समाज से हैं और गैर-यादव ओबीसी समाज को साथ लाने की कोशिशों के तहत

भाजपा लंबे समय से इस समाज को बढ़ाती रही है। स्वर्गीय कल्याण सिंह लोधी समाज के बड़े नेताओं में गिने जाते थे। धर्मपाल सिंह के नाम पर किसकी नाराजगी का है डर धर्मपाल सिंह लोधी साफ-सुथरी छवि के नेता हैं, लेकिन चर्चा है कि उन्हें प्रमोट करने से राजवीर सिंह को परेशानी हो सकती है। वह कल्याण सिंह के बेटे हैं और उनकी राजनीतिक विरासत पर भी दावेदारी रही है। एक और नाम चर्चा में है, वह हैं स्वतंत्र देव सिंह। पहले भी वह प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं और उनकी सीएम योगी आदित्यनाथ से भी करीबी रही है। ऐसे में संतुलन के लिहाज से वह अच्छा नाम हो सकते हैं। वह पिछड़े समाज से भी आते हैं। दरअसल समाजवादी पार्टी की ओर से लगातार पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का नारा दोहराया जा रहा है। ऐसे में भाजपा नहीं चाहती कि सामाजिक समीकरण साधने में कोई कसर रह जाए।

क्यों सहमति बनाने में हो रही है इतनी देरी : चर्चा यह भी है कि किसी दलित नेता को ही मौका दिया जाएगा। इन नेताओं में रामशंकर कठेरिया की भी चर्चा है। अहम बात यह है कि भाजपा किसी एक नेता का ही प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के लिए नामांकन कराएगी और फिर उसकी घोषणा हो जाएगा। ऐसे करने से यह संदेश जाता है कि आम सहमति से नेता को चुना गया है। ऐसे में उस एक नाम को चुनने से पहले मंथन चल रहा है। पार्टी ऐसा नेता चाहती है, जिससे इतने बड़े राज्य के हर अंचल को साधा जा सके। इसके अलावा सामाजिक समीकरणों के लिहाज से भी पॉजिटिव संदेश जाए।

महिला एशियाई कप क्वालीफायर

भारत ने इराक को 5-0 से हराया

चियांग माइ, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इराक पर जीत दर्ज की। बुधवार को चियांग माइ स्टेडियम की

700वीं वर्षगांठ पर भारत ने इराक को 5-0 से हराया।

पहले हाफ में संगीता बासफोर और मनीषा ने भारत की स्थिति मजबूत कर दी। वहीं, दूसरे हाफ में कार्तिका अंगमुथु, फंजौबाम निर्मला देवी और नोंगमाईथेम रतनबाला देवी ने गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने अब तक तीन मैचों में 22 गोल दागे हैं, जबकि एक भी गोल भारतीय टीम के खिलाफ नहीं हुआ है। भारतीय टीम तीनों मैच जीती है। भारतीय टीम ग्रुप बी में 9 अंक के साथ शीर्ष पर है। वहीं, थाईलैंड दूसरे स्थान पर है। 5 जुलाई को भारत-थाईलैंड के बीच मैच होगा। मंगोलिया (13-0) और तिमोर-लेस्ते (4-0) के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद इराक के खिलाफ पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरी भारतीय टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

टीम ने इराकी डिफेंस को भेदने के लिए शानदार ड्रिब्लिंग का इस्तेमाल किया। वहीं, मिडफील्डर्स ने पासिंग और त्वरित बदलावों के साथ गति को नियंत्रित किया। ब्रेक के समय 2-0 से पीछे चल रहे इराक ने एक बदलाव किया और अलजेबारी की जगह फैजा महमूद को मैदान में उतारा। लेकिन भारत की बढ़त बरकरार रही।

दूसरे हाफ में बमुश्किल तीन मिनट ही हुए थे कि कार्तिका अंगमुथु ने 25 गज की दूरी से एक शानदार शॉट लगाया, जो गोल में बदल गया। भारत की तरफ से चौथा गोल 68वें मिनट में निर्मला देवी ने किया। जबकि, 5वां गोल 80वें मिनट में रतनबाला देवी ने किया।

रोनाल्डो के साथी खिलाड़ी की मौत, 2 हफ्ते पहले बचपन की प्रेमिका से रचाई थी शादी

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल के स्टार डिओगो जोटा की 28 साल की उम्र में गुरुवार (3 जून) को नॉर्थ स्पेन में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनकी लेम्बोर्गिनी के सड़क से फिसलने से हादसा हुआ। उन्होंने अपनी बचपन की प्रेमिका से दो हफ्ते पहले ही शादी की थी। कार में पुर्तगाल के फॉरवर्ड के साथी फुटबॉलर और भाई आंद्रे सिल्वा भी थे। 26 वर्षीय आंद्रे की भी दुर्घटना में मौत हो गई। जोटा पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए भी खेले हैं। वह 2019 और 2025 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुआई में यूईएफए नेशंस लीग जीतने वाली पुर्तगाली टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं,सिल्वा निचले डिवीजनों में पुर्तगाली क्लब पेनाफेल के लिए खेले हैं। रिपोर्ट के अनुसार माना जा रहा है कि वलाडोलिड से 70 मील पश्चिम में ए-52 पर ओवरटेक करते समय लेम्बोर्गिनी का टायर फट गया।

विश्व मुक्केबाजी कप

मीनाक्षी और पूजा रानी ने भारत के लिए पदक सुनिश्चित

अस्ताना, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी दल ने कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रही विश्व मुक्केबाजी कप में दो पदक सुनिश्चित कर दिया हैं। मीनाक्षी (48 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने देश के लिए पदक सुनिश्चित किया है।

मीनाक्षी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की गुओ यी-जुआन के खिलाफ शानदार और प्रभावशाली जीत दर्ज की। भारतीय मुक्केबाज ने अपने तीखे फुटवर्क, सटीक मुक्के और रिंग में अपनी शानदार जागरूकता दिखाते हुए 5-0 के साथ सर्वसम्मत जीत हासिल की। मुकाबले की गति को नियंत्रित करने तथा दूरी से स्पष्ट रूप से अंक प्राप्त करने की उनकी क्षमता ने निर्णायकों को किसी भी प्रकार के संदेह से मुक्त रखा। उन्होंने सेमीफाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया और इसके साथ ही अपने लिए कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया। भारत की सबसे अनुभवी मुक्केबाजों में से एक पूजा रानी ने 80 किग्रा वर्ग में स्थानीय गुलसाया येरजान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल जैसे कड़े और अहम मुकाबले में पूजा ने आक्रामकता और नियंत्रण

का मिश्रण करते हुए 4-1 के विभाजित निर्णय के जरिए जीत हासिल की। इस मुकाबले में पूजा ने शुरुआती दौर में दबाव झेला, लेकिन बाद के चरणों में निर्णायक पंच जड़े। आखिरी समय में उनके जोरदार पंच ही उनकी जीत का कारण बने। इस जीत के साथ, उन्होंने पोडियम फिनिश हासिल किया और अब वह सेमीफाइनल में पहुंचकर इसे स्वर्ण में बदलने की कोशिश करेंगी।

इससे पहले, अनामिका (51 किग्रा) ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने तुर्की की आयसेन तस्किन को हराया, जिससे इस भार वर्ग में भारतीय की उम्मीदें जीवित हैं।

पुरुषों की ओर से जदुमणि सिंह ने फिलीपींस के जे. ब्रायन बारिकुआत्रो के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में बहादुरी से मुकाबला किया। जोशीले प्रयास के बावजूद जदुमणि बहुत कम अंतर से हार गए और कड़े मुकाबले के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

चहल ने काउंटी चैम्पियनशिप में दिखाया स्पिन का जलवा, आउट होने के बाद बल्लेबाज हुआ हैरान

नॉर्थम्पटन (एजेंसी)। युजवेंद्र चहल काउंटी चैंपियनशिप 2025 में अपनी स्पिन का जलाव एक बार फिर बखेर रहे हैं। उन्होंने बल्लेबाज को क्लीन बोल्ड करके केंट को शुरुआती झटका दिया। इस दौरान बल्लेबाज भी आउट से हैरान हो गया कि ऐसा हुआ कैसे। केंट के 29/2 पर लड़खड़ाने के साथ चहल की प्रतिभा पूरी तरह से देखने को मिली क्योंकि उन्होंने एक गेंद को अंदर की ओर घुमाया, उसे खूबसूरती से डिप किया और फिर उसे तेजी से स्पिन करके ऑफ स्टंप पर मारा, एक ऐसी शानदार गेंद जिसने बल्लेबाज को हैरान कर दिया और दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। लगातार दूसरे सीजन में नॉर्थम्पटनशायर के साथ वापसी करते हुए चहल का प्रभाव तुरंत ही दिखने लगा है। उम्मीद है कि वह सीजन के अंत तक रेड और व्हाइट बॉल दोनों प्रारूपों में नॉर्थेंट्स के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिछले साल चहल ने डर्बीशायर के खिलाफ अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 9/99 की गेंदबाजी करके सुर्खियां बटोरी थीं और ऐसा लगता है कि वे पहले से ही इस रिकॉर्ड को तोड़ने के इरादे से खेल रहे हैं। पिछले साल चहल ने सिर्फ चार प्रथम श्रेणी मैचों में 21 की औसत से 19 विकेट लिए जिससे वे चैंपियनशिप के सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में से एक बन गए। उनके मैच जीतने वाले स्पेल ने नॉर्थम्पटनशायर को सीजन के आखिर में महत्वपूर्ण जीत दिलाने में मदद की और ड्रेसिंग रूम के हर कोने से उनकी प्रशंसा भी हुई।

सुपरयूनाइटेड रैपिड शतरंज

गुकेश नें प्रज्ञानन्दा को हराया

जाग्रेब , क्रोसिया (एजेंसी)। सुपरयूनाइटेड रैपिड के पहले दिन भारत के विश्व चैंपियन गुकेश डी ने लगातार दो जीत दर्ज करते हुए अच्छी शुरुआत की है । गुकेश को पहले राउंड में पोलैंड के यान डूड्ज़ से हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में एक बार फिर रैपिड में उनके खेल पर सवाल उठ ही रहे थे की उन्होने लगातार दो बाजियों में पहले फ्रांस के अलीरेजा को सफ़ेद मोहरो से और फिर हमवतन प्रज्ञानन्दा को काले मोहरो से पराजित करते हुए शानदार वापसी की । गुकेश नें इन दोनों खेल में समय और आक्रामक शतरंज दोनों का उपयुक्त तालमेल दिखाया और यह जताया की वह इस फॉर्मेट में भी लगातार खुद को बेहतर कर रहे है ।

गिल-जडेजा की शानदार साझेदारी के चलते भारत सम्मानजनक स्कोर की ओर

5 विकेट पर भारत 400 के पार, कप्तान शुभमन गिल का शानदार 157 रन

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेला जा रहा है। गुरुवार को मैच का दूसरा दिन है और पहला सेशन जारी था।

भारत ने पहली पारी में 5 विकेट पर 400 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा नाबाद हैं। दोनों 150+ की साझेदारी कर चुके हैं। जडेजा फिफ्टी और गिल सेंचुरी बना चुके हैं।

भारतीय टीम ने 310/5 के स्कोर से खेलना शुरू किया। गिल ने 153 और जडेजा ने 72 रन बना लिए थे। बुधवार को यशस्वी जायसवाल ने 87 रन बनाए थे। क्रिस वोक्स को 2 विकेट मिले थे।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 380 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया है। 95वां ओवर डाल रहे शोएब बशीर की 5वीं बॉल पर गिल ने एक रन लिया और स्कोर 380 रन पहुंचा दिया था।

जडेजा ने स्टोक्स के ओवर में लगातार दो चौके मारे

रवींद्र जडेजा ने 92वां ओवर डाल रहे बेन स्टोक्स के ओवर में लगातार दो चौके मारे। उन्होंने इंग्लिश कप्तान की पहली बॉल पर कवर में चौका लगाया। फिर दूसरी पर कट करके बैकवर्ड पॉइंट से बाउंड्री निकाली। इस ओवर से 8 रन आए।

कप्तान गिल ने दिन की पहली बॉल पर एक रन लेकर रवींद्र जडेजा के साथ शतकीय साझेदारी पूरी की। टीम इंडिया ने 211 के स्कोर पर 5वां विकेट गंवाया था। तब क्रिस वोक्स ने नीतीश कुमार रेड्डी को बोल्ड कर दिया था।

रवींद्र जडेजा ने एजबेस्टन टेस्ट में लगाया अर्धशतक, कोहली और धोनी के खास क्लब में हुए शामिल

दिग्गज भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कड़ी मेहनत से अर्धशतक बनाकर विराट कोहली और एमएस धोनी के क्लब में शामिल हो गए। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने प्रतिष्ठित इंग्लिश स्थल पर संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया।भारत द्वारा ऋषभ पंत और नितीश कुमार रेड्डी के महत्वपूर्ण विकेट जल्दी-जल्दी गंवाने के बाद रवींद्र जडेजा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने 6 विकेट के लिए शानदार शतकीय साझेदारी की जिससे भारत ने शानदार वापसी की। जब गिल ने एक और टेस्ट शतक बनाया, तो जडेजा ने दूसरे दिन पहले सत्र में शानदार अर्धशतक पूरा किया। इस तरह वह बर्मिंघम में सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में पूर्व कप्तान एमएस धोनी और विराट कोहली के साथ शामिल हो गए। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर इस सूची में पहले स्थान पर हैं जिन्होंने एजबेस्टन में टेस्ट मैचों में तीन अर्धशतक लगाए हैं। धोनी, जडेजा, कोहली, पंत और विश्वनाथ ने बर्मिंघम में दो बार पचास या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि जडेजा उन कुछ भारतीय बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने एजबेस्टन में टेस्ट शतक बनाया है। अगर वह अपने अर्धशतक को शतक में बदल देते हैं, तो यह ऑलराउंडर ऐतिहासिक स्थल पर दो टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे।

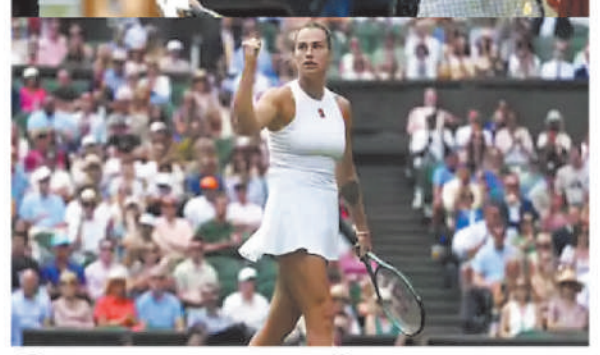

विंबलडन 2025 में अल्काराज का विजयी अभियान जारी

स्पेन (एजेंसी)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन के दूसरे राउंड में ग्रेट ब्रिटेन के ओलिवर टार्वेट को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया।

विंबलडन 2025 के तीसरे दिन कार्लोस अल्काराज ने ब्रिटिश एमेच्योर खिलाड़ी ऑलिवर टारवेट को सीधे सेटों में 6-1, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज ने वर्ल्ड रैंकिंग 733वें नंबर के टारवेट को सिर्फ दो घंटे 17 मिनट में हरा दिया। अल्काराज ने लगातार 20 मैच जीते हैं, जिसमें रोम मास्टर्स, फ्रेंच ओपन और क्वींस क्लब के खिताब शामिल हैं।

अल्काराज का टारगेट लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतना है। ब्योर्न बोर्ग, पीट सम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ओपन एरा में लगातार तीन विंबलडन खिताब जीत चुके हैं।

रोजर फेडरर ने सबसे ज्यादा 8 बार विंबलडन खिताब अपने नाम किया है। उसके बाद 7-7 विंबलडन खिताब जीतने का कारनामा पीट सम्प्रास और नोवाक जोकोविच कर चुके हैं।वहीं, विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका ने 48वीं रैंक की मैरी बौजकोवा को 7-6 (7/4), 6-4 को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। 95 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने 41 विनर लगाए।

डीपीएल की नीलामी से पहले पुरानी दिल्ली 6 ने उठाया बड़ा कदम, ऋषभ पंत को किया रिटेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के 2024 संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को आगामी सीजन के लिए रिटेन करने की घोषणा की है। पंत को मार्की खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया गया है। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया, पूरे लीग चरण में ठोस प्रदर्शन किया। हालांकि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में उनका सफर छोटा हो गया क्योंकि सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

पंत के टीम में बने रहने से उम्मीद है कि टीम 2025 सीजन में और अधिक प्रतिस्पर्धी इकाई बनाएगी। पंत के बारे में बात करते हुए पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नागिया ने कहा, 'ऋषभ पंत न केवल विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं, बल्कि पुरानी दिल्ली 6 की धड़कन भी हैं। उनका नेतृत्व, अनुभव और प्रतिभा हमें बढ़त दिलाती है। हम उनके ईद-गिर्द एक मजबूत टीम बना रहे हैं और हमें इस साल जीत का पूरा भरोसा है।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए पंत ने

कहा, 'डीपीएल युवा प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है और इस लीग को सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय रोहन जेटली और डीडीसीए को जाता है। इसके द्वारा प्रदान किए गए अवसरों के माध्यम से देश भर के कई खिलाड़ी उभरे और विकसित हुए हैं, जैसे कि दिग्वेश राठी, प्रियांश आर्य और अन्य।

उन्होंने कहा, 'पुरानी दिल्ली 6 वास्तव में घर जैसा लगता है, दिल्ली के प्रशंसकों की जीवंत ऊर्जा और जीतने की बेजोड़ भूख से भरपूर। पिछले साल एक आशाजनक सीजन के बाद, सफल होने का हमारा दृढ़ संकल्प और भी बढ़ गया है और हम इस साल और भी मजबूती से वापसी करने के लिए आशावादी हैं। इस बीच दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ ने आधिकारिक तौर पर दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइज को शामिल करने की घोषणा की है। बाहरी दिल्ली और नई दिल्ली फ्रेंचाइजी 2025 सीजन में पदार्पण करेंगी, जिससे लीग में छह से बढ़कर 8 टीमें होंगी। आगामी सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 जुलाई (पुरुष) और 7 जुलाई (महिला) को राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली है क्योंकि डीपीएल लैंगिक-समावेशी क्रिकेट के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है।

13 छक्के अश्विन ने 48 गेंदों पर मचाया

सबसे बड़ी पारी खेलकर टीम को टीएनपीएल के क्वालिफायर 2...

नई दिल्ली, एजेंसी। वाह भाई वाह. मान गए अश्विन. निभा दी टीएनपीएल 2025 में अपनी टीम डिंडीगुल के लिए सबसे बड़ी भूमिका. ये हुई ना कप्तानों वाली बात. कहते हैं जब मंच बड़ा होता है, तभी परफॉर्मेन्स देने का भी मजा होता है. अश्विन ने भी उसी बड़े मंच का फायदा उठाया है. टीएनपीएल 2025 के एलिमिनेटर मैच जैसे बड़े मौके पर कप्तान होने के नाते उन्होंने अपनी टीम को वाकई फ्रंट से लीड किया है. जब पहले उन्होंने ऐसे गेंद से किया तो हैरानी नहीं हुई क्योंकि उसके तो वो मास्टर हैं ही. लेकिन जो बल्ले से उन्होंने तूफान मचाया, उस देखकर भइया सचमें मजा आ गया.

बल्ले से पहले अश्विन ने गेंद से बरपाया कहर - अश्विन ने टीएनपीएल 2025 में अपनी सबसे बड़ी पारी खेली है. वो भी सिर्फ 48 गेंदों का सामना करते हुए. हालांकि, इस पारी की बात करें उससे पहले जरा अश्विन के गेंद से मचाए गदर के बारे में जान लीजिए. टीएनपीएल 2025 में 2 जुलाई को डिंडीगुल और चोलाज के बीच एलिमिनेटर मैच खेला गया. इस मैच में ट्रिची ग्रैंड चोलाज ने पहले बैटिंग की. मगर वो 20 ओवर में 150 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके. ऐसा इसलिए क्योंकि अश्विन की कमान में डिंडीगुल के गेंदबाजों ने उन पर नकेल कसे रखी. चोलाज ने 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 140 रन बनाए. इन 9 विकेटों में 3 विकेट अकेले कप्तान अश्विन के रहे. उन्होंने 4 ओवर में 28 रन देते हुए ये 3 विकेट लिए और मैच में अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे. टीएनपीएल 2025 में अश्विन का ये दूसरा बेस्ट बॉलिंग फीगर है. इससे पहले वो 22 रन देकर भी 3 विकेट ले चुके हैं.

13 छक्के बल्ले से 48 गेंदों में मचाया तूफान - अब मैच बड़ा था. मामला एलिमिनेट होने या फिर फाइनल की ओर कदम बढ़ाने से जुड़ा था. तो ऐसे में भला अश्विन सिर्फ गेंद से कहर बरपाकर कहां मानने वाले थे. ऐसे में जब 141 रन का लक्ष्य मिला तो उसे चेज करने के दौरान अश्विन ने अपने बल्ले का जौहर भी खूब दिखाया. अश्विन ने डिंडीगुल के लिए पारी की शुरुआत की और सिर्फ 48 गेंदों में ही इतने रन ठोक दिए कि ये इनिंग टीएनपीएल 2025 में उनकी सबसे बड़ी पारी की वजह बन गई.

जीतू पटवारी पर दर्ज किए गए अपराधिक प्रकरण को शीघ्र निरस्त करवाने की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

अपराधिक प्रकरण शीघ्र निरस्त नहीं होने पर संपूर्ण मध्य प्रदेश के कार्यकर्ता 8 जुलाई को मुंगावली थाना में गिरफ्तारी देंगे

पन्ना। जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के अध्यक्ष शिवजीत सिंह भैया राजा के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियों ने पुलिस अधीक्षक के माध्यम से पुलिस महानिदेशक मुख्यालय भोपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि अशोकनगर के मुंगावली थाना अंतर्गत सरपंच के दबंग पुत्रों के द्वारा दो गरीब युवकों जिनके द्वारा खाद्यान्न पर्ची की मांग की जा रही थी उनके साथ मारपीट कर पहले उनकी बाइक छीनी गई फिर मानव मल खिलाकर उन्हें अपमानित किया गया, पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आगे आए कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर अपराधिक प्रकरण दर्ज कर दिया गया ताकि इस मामले को दबाया जा सके लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा यदि अपराधिक प्रकरण शीघ्र निरस्त नहीं किया गया तो कांग्रेस के द्वारा सत्याग्रह आंदोलन चलाकर भूख हड़ताल अनिश्चितकालीन के लिए की जाएगी तथा आगामी 8 जुलाई

कोजीतू पटवारी के साथ लाखों की संख्या में कांग्रेसियों के द्वारा अशोकनगर जिले के मुगावली थाना में गिरफ्तारी दी जाएगी, ज्ञापन के संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के अध्यक्ष शिवजीत सिंह भैया राजा एवं जिला सह प्रभारी भूपेंद्र राहुल ने क्या कहा कांग्रेस पार्टी फर्जी मामलों से दबाने वाली नहीं है जनता की लड़ाई हर सांस तक लड़ेगी प्रदेश की जन विरोधी दमनकारी सरकार का विरोध जारी रहेगा और इस सरकार का जल्द ही अंत होगा ज्ञापन के दौरान भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव मुरारी लाल थापक ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमानगंज भभूत सिंह राजपूत देवेंद्र नगर आनंद शुक्ला पन्ना अक्षय तिवारी नगर परिषद अमानगंज के उपाध्यक्ष सौरभ दुबे से सेवादल के अध्यक्ष राम बहादुर द्विवेदी पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष राजबहादुर पटेल अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष डॉ कदीर खान रामप्रसाद यादव जयराम यादव रामकरण पांडे पार्षद दल के नेता रेहान मोहम्मद पार्षद वैभव थापक पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दीपक तिवारी जिला मीडिया प्रभारी राकेश शर्मा पूर्व किसान कांग्रेस अध्यक्ष शशिकांत दीक्षित कन्हैया ताम्रकार पुष्पेंद्र संजय पटेल भूपेंद्र सिंह परमार नरेंद्र विश्वकर्मा पुष्पेंद्र सोनी देबू गोंड सरदार सिंह यादव अनीश पिंकू सिद्दीकी सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर्वे में पात्र पाए गए भूमिहीनों को अति शीघ्र पट्टे वितरित करने की मांग

पन्ना। 30 जून 2025 को म.प्र. शासन से अधिमान्यता प्राप्त पत्रकार पन्ना लक्ष्मीनारायण चिरोलया ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर पन्ना को ज्ञापन सौंप कर बताया है कि पन्ना नगर के अंतर्गत सर्वे में पात्र पाये गये भूमिहीन, आवासहीनों को शीघ्र से शीघ्र आवासीय पट्टे वितरित किये जायें। ज्ञापन के बिन्दु क्रमांक 2 एवं 3 में उल्लेख किया गया है कि पटवारी हल्का नं. 15 के अंतर्गत स्थानीय छत्रसाल पार्क के पास खसरा नं. 3190/2 की भूमि जिसे शासकीय भूमि घोषित कर दी है जो कभी सभापति हिन्दी साहित्य सम्मेलन पन्ना के नाम खसरा पंचशाला रिकार्ड में 1964 से 2000 तक दर्ज रही। अत: उक्त भूमि के तहत 100 बाय 50 की भूमि साहित्य एवं पत्रकार भवन के निर्माण हेतु नियमों को शिथिल करते हुए आवंटित की जाये अथवा अजयगढ़ चौराहा के पास शासकीय आवास क्रमांक एच-48 जो कि रिक्त है उसे मय भूमि के साहित्य एवं पत्रकार भवन पन्ना के नाम से आवंटित की जाए। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 31 जुलाई 2025 तक ज्ञापन में उल्लेखित बिन्दुओं का निराकरण नहीं हुआ तो 09 अगस्त 2025 से जिला कलेक्ट्रेट के पास धरना आयोजित किया जावेगा।

तेज मोटरसाइकिल की टक्कर से हुई थी बृजेश पाठक की मौत, सीसीटीवी कैमरा से हुआ खुलासा

पन्ना। अमानगंज थाना मुख्यालय में विगत 25 जून को मिढ़ासन नदी पुल के पार सक्षम पैलेस के सामने रात्रि लगभग 8ः 0बजे सड़क दुर्घटना हुई थी जिसमें बृजेश कुमार पाठक उर्फ सोनू पिता राम गणेश निवासी टिकुरिया मोहल्ला जिला पन्ना बुरी तरह घायल हो गया था जिसे स्थानीय लोगों द्वारा सूचना देकर स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज पहुंचाया था घायल की स्थिति खराब होने के चलते उसे जिला चिकित्सालय रेफर किया गया जहां से डॉक्टरों द्वारा रीवा मेडिकल कॉलेज इलाज के लिए भेज दिया था जिसकी दूसरे दिन 26 जून को इलाज के दौरान मौत हो गई मृतक को 27 जून को पीएम के बाद पन्ना लाकर अंतिम संस्कार कर दिया गया लेकिन इस बात का

खुलासा नहीं हो पा रहा था कि आखिर सोनू किनपरिस्थितियों में सड़क दुर्घटना का शिकार हुआ लेकिन सोनू के अंतिम संस्कार के बाद रिश्तेदारों तथा परिजनों द्वारा अमानगंज में पहुंचकर छानबीन की गई तथा सीसीटीवी कैमरा में देखा गया तो पूरे मामले का खुलासा हो गया उक्त सड़क दुर्घटना सक्षम पैलेस के बगल में बंटी सेठ गला व्यवसाय की दुकान के सामने हुआ था सोनू पाठक टाइ मोड शैलेश नगाइच के क्रेशर से अमानगंज की ओर से पन्ना की ओर आ रहा था इस दौरान बंटी सेठ निवासी अमानगंज का ड्राइवर पुनयुया चौधरी मोटरसाइकिल लेकर अमानगंज की ओर सड़क पर चढ़ने लगा इसी दौरान उसके द्वारा सोनू पाठक की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे सोनू मोटरसाइकिल सहित गिर गया और दुर्घटना का शिकार हो गया यह घटना बंटी सेठ की दुकान के सीसीटीवी कैमरा में ही दर्ज हो गया पुलिस इस आधार पर मामले की जांच कर रही है मृतक सोनू पाठक के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं जिसमें एक की उम्र 12 वर्ष तथा दूसरे की उम्र तीन वर्ष एवं पत्नी है इस प्रकार रोता भी लगता परिवार छोड़कर सोनू चला गया तथा परिवार का एकमात्र कमाने वाला वही था।

विवाहित महिला ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर कार्यवाही की लगाई गुहार

पन्ना। जिले की सलेहा थाना अंतर्गत एक महिला द्वारा ब्लैकमेलिंग करते हुए दुष्कर्म करने के संबंध में पुलिस अधीक्षक से आरोपी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है महिला ने दिए गए आवेदन में बताया कि भमरहा ग्राम निवासी आनंद मिश्रा द्वारा मेरा नहाते हुए वीडियो बना लिया था तथा उसके बाद वह लगातार ब्लैकमेलिंग करता रहा एवं दुष्कर्म की घटना को अंजाम देता रहा एवं वीडियो वायरल भी किया गया तथा 80000 हज़ार रुपए की मांग कर रहा है पीड़िता ने कार्यवाही की मांग की है।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों की नगदी रहित उपचार स्कीम

पन्ना। देश में सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी सम्पूर्ण देश में नियमित मॉनीटरिंग कर रही है। समय-समय पर यह कमेटी विभिन्न राज्यों से रिपोर्ट प्राप्त कर सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी गाइडलाइंस की समीक्षा कर सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है।

परिवहन सचिव द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिये नगदी रहित उपचार योजना के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों में बताया गया है कि यह स्कीम और गाइडलाइंस मई 2025 और जून 2025 में जारी हुई हैं। इसी के साथ मंत्रालय द्वारा 21 मई 2025 को यूजर मैनेजमेंट पोर्टल भी जारी किया गया है। निर्देशों में बताया गया है कि सड़क दुर्घटना प्रकरणों में जहां दोषी मोटरयान के पास वैध तृतीय पक्ष बीमा कव्हरेज था, उसका भुगतान केन्द्र सरकार द्वारा साधारण बीमा कंपनियों के सहयोग से बनाए गए फण्ड से स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए) द्वारा अस्पताल के दावे को मंजूरी दिए जाने के 10 दिनों की समयावधि में जिला कलेक्टर्स के अनुमोदन से जिला स्तर पर ही केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित फण्ड से किया जाएगा। योजना में अस्पताल से दुर्घटना तारीख से अधिकतम 7 दिनों की अवधि में प्रति व्यक्ति के लिए एक लाख 50 हजार रूपए तक के उपचार की व्यवस्था है। दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति या उसका परिवार दुर्घटना का विवरण हेल्पलाइन नंबर 112 में दे सकता है।

परिवहन सचिव द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि योजना के क्रियान्वयन के लिए किसी अधीनस्थ अधिकारी को जिम्मेदारी देते हुए इसकी नियमित मॉनीटरिंग जिला स्तर पर की जाए। समस्त संभागायुक्तों को भी निर्देश दिए गए हैं कि महत्वपूर्ण योजना की आवश्यक गतिविधियों की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। जिला कलेक्टर्स को योजना से संबंधित विस्तृत दिशा निर्देश भी परिवहन विभाग द्वारा भेजे गए हैं।

लाल सिंह आर्य के भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बनने पर दी बधाई

पन्ना। कोरी-कोली समाज के गौरव पूर्व विधायक पूर्व मंत्री, पूर्व प्रदेश भाजपा महामंत्री, वर्तमान में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य को, भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय परिषद का सदस्य नियुक्त किये जाने पर, बुन्देलखण्ड के प्रसिद्ध कवि, प्रतिष्ठित ख्यातिलब्ध साहित्यकार, अधिमान्य पत्रकार, समाजसेवी एवं मध्यप्रदेश कोरी-कोली समाज महासंघ के प्रदेश संयोजक तथा समाज के जिले के नेता लक्ष्मीनारायण चिरोलया ने श्री आर्य को आत्मीय बधाई देते हुये भाजपा शीर्ष नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

कॉलोनी निर्माण के संबंध में प्रस्तुत करें आपत्ति

पन्ना। कलेक्टर न्यायालय द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अजयगढ़ के प्रतिवेदन पर अवैध कॉलोनी निर्माण के संबंध में आगामी 24 जुलाई तक आपत्ति प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचना के तहत अवगत कराया गया है कि अजयगढ़ निवासी अनावेदकगण धीरेन्द्र कुमार पिता नरेन्द्र सिंह राठौर एवं शिवकुमार पिता संतोष गुप्ता द्वारा अजयगढ़ तहसील के ग्राम माधौगंज स्थित सर्वे नंबर 83/1/1/1/1/1/1/1/1 कुल रकवा 0.44 हे. भूमि पर कॉलोनी निर्माण का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र, कॉलोनी विकास की अनुज्ञा, नगर तथा ग्राम निवेश से लेआउट स्वीकृति तथा अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किए बगैर अनधिकृत कॉलोनी का निर्माण कर छोटे-छोटे भू-खण्ड विक्रय करना पाया गया। इसके लिए रेरा में पंजीयन भी नहीं कराया गया था एवं न ही किसी भी प्रकार का आंतरिक विकास किया गया। इस कॉलोनी को अनधिकृत कॉलोनी घोषित करने के संबंध में की जा रही कार्यवाही के दृष्टिगत माधौगंज ग्राम की आम जनता व जनसामान्य द्वारा निर्धारित तिथि तक किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिमान्य अधिवक्ता के माध्यम से कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत की जा सकती है।

जिला कलेक्टर द्वारा पन्ना तहसील के ग्राम जनकपुर स्थित सर्वे नंबर 59/1/1/1/1 रकवा 1.212 हे. भूमि पर पन्ना निवासी अनावेदकगण सुमन पति गौरीशंकर एवं रामरती पति रामसेवक गुप्ता तथा सर्वे नंबर 62/1/2 रकवा 0.270 हे. और सर्वे नंबर 62/1/2/2/1/1/1/1 रकवा 0.17 हे. भूमि पर पन्ना निवासी अनावेदकगण आशीष पिता राजकिशोर, रोशनी पति आशीष, मालती पति रामाधार, रामाधार पिता राजकिशोर, ध्रुव, स्नेहा एवं दिव्यांशी पिता रामाधार अग्रवाल और संदीप देवलिया द्वारा भी बगैर अनुज्ञा के कॉलोनी निर्माण पाया गया। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पन्ना एवं पटवारी हल्का नंबर 15 पन्ना के संलग्न प्रतिवेदन के आधार पर संबंधितजनों को आगामी 17 जुलाई तक कलेक्टर न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत करने के संबंध में निर्देशित किया गया है।

छत्रसाल योग समिति के सदस्यों ने स्वर्गीय प्रकाश खरे को दी श्रद्धांजलि

पन्ना। नगर पालिका परिषद पन्ना में राजस्व निरीक्षक तथा पार्क प्रभारी ओमप्रकाश खरे प्रकाश का दुखद निधन हो गया उनके निधन को लेकर पार्क में आने वाले सभी लोगों को गहरा आघात लगा है उनकी आत्मा की शांति के लिए छत्रसाल योग समिति के सदस्यों द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई श्रद्धांजलि देने बालों में वरिष्ठ सदस्य एन के मिश्रा राशिद सौदागर अनूप सेठ जगतपाल सिंह बॉबी राजा संजय तिवारी मंटू राकेश शर्मा सहित उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि देते हुए भगवान से अपने श्री चरणों में स्थान देने तथा उनके परिवार को इस गहन दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला इकाई के द्वारा किया गया वृक्षारोपण

पन्ना। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत पन्ना ने पर्यावरण संरक्षण एवम जुलाई वृक्ष रोपण पखवाड़ा की दृष्टि से मां अन्नपूर्णा माहेश्वरी देवी जी स्थल सिद्ध पुरी बाईपास पन्ना में फलदार वृक्षों को लगाया

भारतीय ग्राहक पंचायत के सागर संभागीय संगठन मंत्री अरुण उपाध्याय और जबलपुर संभागीय संगठन मंत्री बृजेश जैन पन्ना प्रवास पर आए हुए थे और जिला अध्यक्ष मुकेश विश्वकर्मा अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत पन्ना जिला सचिव त्यागी फूल सिंह भारती से चर्चा हुई की अपने अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत कार्यकर्ताओं के बीच

बैठकर संगठन गति विधियों पर चर्चा मिलन करना है और पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण पखवाड़ा के तहत ज्यादा से ज्यादा वृक्ष हर किसी को लगाना है सामाजिक दृष्टि से संगठात्मक संछिप्त चर्चा हुई और संभागीय संगठन मंत्री अरुण उपाध्याय के अंतरात्मा भाव आया कि मां भगवती तपोभूमि के दर्शन प्रसाद कर फलदार वृक्ष लगाएं जाए और समाज को मेसेज दिया कि पर्यावरण संरक्षण ज्यादा से ज्यादा करे और अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का हर सदस्य कार्यकर्ता पदाधिकारी एक वृक्ष अवश्य लगाएं जिसमें अरुण उपाध्याय सागर संभागीय संगठन मंत्री बृजेश जैन जबलपुर संभागीय संगठन मंत्री जिला अध्यक्ष मुकेश विषकर्म जिला सचिव त्यागी फूल सिंह भारती मिंटू चतुर्वेदी अमित रैकवार सेवानंद शिवकुमार त्यागी कु अराधना त्यागी शक्तिरूपा आदि के द्वारा फलदार वृक्ष लगाए गए।

इडली-सांभर में मिली मरी छिपकली, रेस्टोरेंट बंद

सतना। मध्यप्रदेश के सतना शहर के भरहुत नगर में इडली वाला रेस्टोरेंट पर इडली सांभर खाने पहुंचे एक ग्राहक के उस वक्त होश उड़ गए जब उसकी प्लेट में इडली सांभर के साथ मरी हुई छिपकली नजर आई। छिपकली देखते ही ग्राहक हैरान रह गया। उसने तुरंत अपना मोबाइल निकाला और मरी हुई छिपकली का वीडियो बनाया और हंगामा कर दिया। इस दौरान होटल मालिक व कर्मचारियों से उसकी बहस भी हुई। जिसके बाद ग्राहक ने सांभर में छिपकली निकलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही और सूझबूझ से टली बड़ी दुर्घटना

पन्ना। जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुआंखेड़ा के पास दमोह-कटनी हाईवे पर चलते ट्रक में अचानक आग लगने की सूचना मिलते ही पन्ना पुलिस ने त्वरित एवं साहसिक कार्रवाई करते हुए एक बड़ी दुर्घटना को समय रहते टाल दिया।दिल्ली से कटक (उड़ीसा) की ओर जा रहे ट्रक, गुटखे से लदा था माल

संबंधित ट्रक दिल्ली से कटक (उड़ीसा) की ओर जा रहा था, जिसमें राम निवास ब्रांड का गुटखा लदा हुआ था। हाईवे पर ग्राम कुआंखेड़ा के समीप ट्रक में अचानक आग लग गई। आग लगते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही रैपुरा थाना पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तत्काल पुलिस बल को रवाना किया। घटनास्थल पर पहुँचकर पुलिस टीम ने स्थिति का आकलन किया और फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। लेकिन फायर ब्रिगेड के पहुँचने में विलंब को देखते हुए पुलिस टीम ने अपने सीमित संसाधनों का कुशल उपयोग करते हुए स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से नजदीकी गड्ढे में भरे बरसात के पानी को मोटर पंप की मदद से प्रयोग में लाया और आग पर नियंत्रण पाया।

घटना-स्थल के पास ही एक विद्युत ट्रांसफॉर्मर और कच्चे घरों की घनी आबादी स्थित थी। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो एक भीषण हादसा और व्यापक जनहानि हो सकती थी।

उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी रैपुरा उनि. सन्तोष सिंह यादव व थाना स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तन के साथ-साथ मन का भी इलाज करें : ब्रह्माकुमारी

एलोपैथी,होम्योपैथी के साथ-साथ करें सिपैथी का उपयोग

विश्व चिकित्सा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

पन्ना। अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के उपलक्ष में जिला चिकित्सालय में ब्रह्माकुमारी विद्यालय की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया ब्रह्माकुमारी सीता बहन जी ने, सभी डॉक्टरों का सम्मान किया एवं शुभकामना देते हुए,आज के दिन के महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है। आप पर परिवार के साथ-साथ समाज की बहुत बड़ी जिम्मेवारी है डॉक्टरों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है आज हम देखते हैं कि 90त्न बीमारी मन के कमजोर होने से उत्पन्न होती है मरीज को दबा से ज्यादा डॉक्टर के स्नेह पूर्ण व्यवहार की आवश्यकता होती है तथा वह डॉक्टर के प्रेम पूर्ण व्यवहार से आधा ठीक हो जाता है डॉक्टर का तन को स्वस्थ रखने के साथ-साथ हमारे मन को ठीक रखने में भी महत्वपूर्ण स्थान है हम एलोपैथी,होम्योपैथी अनेक प्रकार की दवाओ का प्रयोग करने के साथ-साथ सिंपैथी का भी उपयोग करके सबका भला करें ड्यूटी को सिर्फ ड्यूटी समझकर नहीं परंतु अपना फर्ज समझकर पूर्ण समर्पण भाव से निभाएं मरीज को सिर्फ मरीज नहीं समझा करे मरीज को अपने परिवार का सदस्य समझ कर उसका इलाज करे दया एवं करूणा के साथ सेवाएं दें, धन के साथ-साथ दुआ भी कमाये, क्योंकि वर्तमान समय में डॉक्टरों में भी पैसा कमाने की होड़ मची है ऐसा नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में डॉक्टर आलोक गुप्ता सिविल सर्जन,डॉक्टर एसके त्रिपाठी, डॉ मीना नामदेव डॉ सौरभ त्रिपाठी डॉ नीरज जैन डॉ प्रदीप द्विवेदी, दिव्या नागवंशी एवं अन्य उपस्थित रहे।

घर के बाहर बैठे शख्स का दिन-दहाड़े अपहरण, मचा हड़कंप

सतना। मैहर जिले के अमरपाटन थाना अंतर्गत कुम्हारी गांव में सोमवार देर शाम घर के बाहर बैठे अरविंद लोनी का अपहरण हो गया। करीब 12-13 बदमाश एक जीप में आए और अरविंद को पीटते हुए अगवा कर ले गए। अपहरण कर भाग रहे बदमाशों का ग्रामीणों ने पीछा किया, जिसमें एक बदमाश पकड़ आ गया। ग्रामीणों ने उसे बुरी तरह पीटा। उधर, अरविंद को बचाने के लिए बाइक से पीछे गए उसके चाचा पुष्पेंद्र लोनी और सिद्धार्थ लोनी को भी बदमाशों ने पकड़ लिया और ताला की तरफ ले जाकर बांधकर पीटा।

एक युवक के अपहरण और दो युवकों के गायब होने की सूचना मिलते ही मैहर पुलिस में हड़कंप मच गया। मैहर, अमरपाटन और ताला थाना की पुलिस टीमों को अपहृत अरविंद और बंधक बनाए गए दोनों युवकों को छुड़ाने व बदमाशों को पकड़ने के लिए फील्ड

में उतारा गया। मैहर एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल खुद अमरपाटन थाना पहुंचे और ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए बदमाश से पूछताछ की। पुलिस टीमों ने रात दस बजे तक घेराबंदी कर अरविंद और दोनों बंधक युवकों को मुक्त करा लिया।

पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। बताया गया है कि कुछ दिन पहले अरविंद पपरा पहाड़ में किसी युवक-युवती का मोबाइल लूट लाया था। वारदात की वजह किसी का आपत्तिजनक वीडियो बनाना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। आशंका है कि बदमाश मोबाइल लेने और युवक से बदला लेने आए थे।

आधार सेंटर संचालक के साथ दबंगों ने की मारपीट, मामला दर्ज

पन्ना। जिले के पवईतहसील मुख्यालय के जल संसाधन कार्यालय में संचालित आधार सेंटर संचालक राजेश कुशवाहा पिता राम सहाय कुशवाहा उम्र 32 वर्ष निवासी सिमरा खुर्द ने थाना पवई में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि मैं मंगलवार की दोपहर 12ः00 बजे अपने आधार केंद्र में आधार कार्ड बनाने का काम कर रहा था उसी दरमियान हृदय राय सिंह बुंदेला निवासी सिमरिया गुलाब सिंह आधार केंद्र के अंदर आया और बोला कि मेरा आधार कार्ड में पता चेंज कर दो तो मैंने देखा कि आधार कार्ड और परिचय पत्र में पता अलग अलग लिखा था, इसके बाद मैंने कहा कि वोटर आईडी में सुधार करवा लो आपका आधारकार्ड अपडेट हो जाएगा। तो हृदय रायसिंह बोला कि तुमको आज ही आधार कार्ड मैं सुधार करना होगा मैंने कहा मैं नहीं करूंगा इसके बाद हृदय राय सिंह बाहर चला गया थोड़ी देर में आदित्य सिंह बुंदेला एवं हर्ष नारायण सिंह बुंदेला के साथ अंदर आए और बोले कि हम चमार बसोर नहीं है जो हमारा आधार कार्ड नहीं बनेगा हम ठाकुर हैं और गाली देते हुए तीनों मेरे साथ मारपीट करने लगे जिससे मुझे गंभीर चोटें आई है, पत्नी और पिता के साथ मैंने पवई थाना पहुंचकर उक्त आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर पवई पुलिस ने 296,115 (2), 351(2), 3 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

घटना के वक्त संजय कुशवाहा और विकास कुशवाहा ने मौके पर बीच बचाव किया। गंभीर रूप से घायल राजेश को पवई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चिकित्सों ने कटनी के लिए रेफर कर दिया है जहां इलाज चल रहा है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | 8

मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मैहर में माँ शारदा के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने माँ शारदा से प्रदेश वासियों के सुख समृद्धि की कामना की।

वृक्षारोपण में आमजनों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाय : उप मुख्यमंत्री

रीवा शहर में एक लाख पौधे लगाये जायेंगे

उप मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा की

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा को हराभरा बनाने के लिये चयनित स्थलों में एक लाख पौधे लगाये जायेंगे। वृक्षारोपण से पूर्व की सभी तैयारियाँ पूर्ण करें तथा इसमें आमजनों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाय। उप मुख्यमंत्री ने राजनिवास सर्किट हाउस में वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चयनित किये गये स्थलों में व्यापक पैमाने पर छायादार, फलदार औषधीय पौधों का वृक्षारोपण करते हुए सड़क के किनारे वृक्षारोपण करें तथा ही पूर्व के रोपित पौधों के रिक्त भूमि में भी वृक्षारोपण कर गैप फिलिंग करें। उन्होंने कहा कि व्यापक पैमाने पर किये गये वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलित होगा तथा स?क के किनारे किये गये वृक्षारोपण से शहर की सुंदरता ब?गी। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण सामाजिक दायित्व के साथ पुण्य का भी कार्य है अत: इससे आमजनों, व्यापारी संगठनों, स्वयंसेवी संगठनों सहित अन्य लोगों को भी जो? ताकि उनका भी लगाव रहे। उप मुख्यमंत्री ने लगाये गये पौधों की पूर्ण सुरक्षा के इंतजाम किये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एक लाख पौधे एक साथ लगाने का व्यापक कार्यक्रम सुनिश्चित करें ताकि इस अभियान में सभी की सहभागिता हो। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने वन विभाग सहित नगर निगम व अन्य विभागों को वृक्षारोपण कार्य में सहभागी होने के निर्देश दिये। आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने बताया कि पशु चिकित्सा महाविद्यालय में 40 हजार, लक्ष्मणबाग की भूमि में 20 हजार, पीटीएस एवं इंजीनियरिंग कालेज कैम्पस में 15-15 हजार तथा रतहरा कैनाल ट्रैक में दस हजार वृक्षारोपण की कार्ययोजना बनाई गयी है। इसके साथ ही शहर की सड़कों के किनारे भी वृक्षारोपण किया जायेगा। बैठक में अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, राजेश पाण्डेय, विवेक दुबे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा और सिंगरौली

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 जुलाई को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा और सिंगरौली आएंगे। मुख्यमंत्री सुबह 11.50 बजे भोपाल से वायुयान से प्रस्थान कर दोपहर 12.45 बजे एयरपोर्ट रीवा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 12.50 बजे रीवा एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 1.20 बजे सिंगरौली जिले के सरई पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री सरई में महिला सशक्तिकरण तथा जनजातीय कल्याण सम्मेलन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री सम्मेलन में सिंगरौली जिले के 503 करोड़ के 54 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे सरई से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर अनूपपुर जिले के कोतमा पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री शाम 5 बजे कोतमा से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर शाम 5.45 बजे एयरपोर्ट रीवा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव शाम 5.50 बजे वायुयान से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

कुलगुरु के प्रेरक मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रमों की भव्य शुरुआत

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा में शिक्षा सत्र 2025-26 की शुरुआत कुलगुरु माननीय प्रो. राजेन्द्र कुमार कुड़रिया के संरक्षण एवं प्रेरणात्मक नेतृत्व में हुई। विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम में कुलगुरु जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने गूढ़ उद्बोधन में नवप्रवेशी विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा और मूल्यपरक शिक्षा के माध्यम से जीवन को आदर्श दिशा में ले जाने की प्रेरणा दी। उन्होंने आधुनिक तकनीक जैसे मोबाइल के सकारात्मक व नकारात्मक पक्षों को स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को 'सत्यम् वद, धर्मम् चर' के वैदिक सिद्धांत पर चलने की सलाह दी। कुलगुरु जी ने नियमित स्वाध्याय, ईश्वर पूजा, माता-पिता और गुरुओं के सम्मान, समयपालन तथा अनुशासित दिनचर्या के निर्माण जैसे बिंदुओं को छात्र जीवन के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने अपने बाल्यकाल के अनुभवों और सेवाकाल की प्रेरक घटनाओं को साझा कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. एन.पी. पाठक ने स्वागत भाषण एवं आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में डॉ.रेखा शर्मा , डॉ. संध्या सिंह बघेल, डॉ. महिमा गर्ग, डॉ. शिल्पा गुप्ता, डॉ. शिखा मालपानी, डॉ. कृतिका सिंह, श्रीमती वंदना मिश्रा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। हिन्दी विभाग में दीक्षारंभ कार्यक्रम का तृतीय दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विभाग के समस्त शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम एक प्रेरणादायक अनुभव बन गया। छात्रों ने विभागीय वातावरण से जुड़ाव महसूस करते हुए भविष्य की शिक्षा यात्रा का आरंभ सकारात्मक ऊर्जा के साथ किया। रसायन शास्त्र विभाग में दिनांक 3 जुलाई 2025 को दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। नवप्रवेशी छात्रों का पारंपरिक रूप से चंदन-टीका लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. राकेश कटारे (विभागाध्यक्ष, भौतिकी एवं गणितीय विज्ञान) रहे एवं अध्यक्षता प्रो. आर.एन. पटेल (विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र) ने की। स्वागत भाषण डॉ. कमलेश मिश्र द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने संदीपनी विद्यालय से लेकर दीक्षारंभ की शैक्षिक परंपरा का विस्तार से वर्णन किया। डॉ. नीतू पटेल ने छात्रों को नियमित अध्ययन और प्रायोगिक कार्यों में सहभागिता हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. योगेन्द्र सिंह, डॉ. सतीश पटेल, डॉ. रोशन लाल पटेल, डॉ. देवस्य प्रताप सिंह, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. संजय द्विवेदी, डॉ. अनुपम सिंह, डॉ. कौशलेश तिवारी, श्रीमती पूनम कोरी, श्री जयप्रकाश सोनी, श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्री हेमंत त्रिपाठी, श्री नीरज साहू, श्री बैजनाथ कोल, श्री आशाराम बौद्ध तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आज लैपटाप के लिये राशि वितरित की जायेगी

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में 4 जुलाई को प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटाप के लिये राशि वितरित करेंगे। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर देखा व सुना जायेगा।

रीवा जिले में जिला स्तरीय कार्यक्रम शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. क्रमांक एक में सुबह 10.30 बजे से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में सांसद श्री जनार्दन मिश्र मुख्यअतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार मऊगंज में जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल होंगे। उल्लेखनीय है कि भोपाल के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में रीवा जिले के छात्र अंकुर यादव एवं आर्यन पाण्डेय को तथा मऊगंज जिले के छात्र आयुष पाण्डेय एवं आशीष सिंह को मुख्यमंत्री जी लैपटाप की राशि वितरित करेंगे।

जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड स्तर पर शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. रायपुर कर्चुलियान, शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. गंगेव, शा. उत्कष्ट उ.मा.वि. सिरमौर, शा. उत्कष्ट उ.मा.वि. सितलहा, शा. माडल उ.मा.वि. मऊगंज, शा. उत्कष्ट उ.मा.वि. हनुमना में तथा शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. नईगढ़ी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कलेक्टर ने 15 अधिकारियों को दिया कारण बताओ नोटिस

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने तथा विभागीय रैंकिंग में सुधार के प्रयास न करने पर 15 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एक वार्षिक वेतनवृद्धि अवरूद्ध करने तथा एक पक्षीय अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री एमपीईबी रायपुर कर्चुलियान सुशील पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सिरमौर सुधांशु शर्मा तथा एलडीएम जगमोहन को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने लापरवाही बरतने पर कार्यपालन यंत्री एमपीईबी रीवा भूपेश विक्रम सिंह, जिला आपूर्ति नियंत्रक कमलेश ताण्डेकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नयन सिंह, कार्यपालन यंत्री एमपीईबी त्योंथर ज्ञानेन्द्र सिंह, जिला संयोजक अनुसूचित जाति कल्याण विभाग कमलेश्वर सिंह तथा कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग नितिन पटेल को भी कारण बताओ नोटिस दिया है।

पुलिस द्वारा चोरी करने वाले गोंड गैंग के चार शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गया मशरूका किया गया बरामद

रीवा। पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीवा श्रीमती आरती सिंह के निर्देशन मे उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) रीवा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारीगोविन्दगढ उनि0 अरविन्द सिंह राठौर एवं थाना प्रभारी गुढ़ उनि0 शैल यादव के नेतृत्व सेंधमारी कर चोरी करने वाले गोंड गैंग के सदस्यों को कर थाना गोविन्दगढ एवं थाना गुढ अन्तर्गत हुई चोरी का मसरूका सोने चांदी के आभूषण एवं नगदी बरामद किया गया है।

पिछले वर्ष से जिला रीवा में लगातार हो रही चोरियों में शामिल चोरो की सूचनातंत्र द्वारा जानकारी प्राप्त हुई कि महडाडी का गोंड गैंग चोरी कर रहा है सूचना पर थाना गोविन्दगढ, थाना गुढ की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम महडाडी में दबिस देकर सुगेन्द्र गोंड एवं कमलेश केवट को पकडा एवं अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिन्होने बताया कि महडाडी के गोंड गैंग में हम दोनों के अतिरिक्त शैलेन्द्र गोंड, जालिम गोंड, पिन्टू गोंड, नागेंन्द्र गोंड, सभी निवासी महडाडी थाना गुढ जिला रीवा, पवन गोंड निवासी कठमना थाना गढ़ रीवा, अमर गोड़ निवासी बेलौही थाना शाहपुर जिला मऊगंज, धीरज गोंड निवासी धनवाही थाना बदेरा जिला मैहर पिछले 02 वर्ष से लगातार सेंधमार कर चोरिया कर रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक रीवा श्री विवेक सिंह के द्वारा डीएसपी मुख्या0 के श्रीमती हिमाली पाठक के नेतृत्व में थाना गोविन्दगढ एवं गुढ की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम द्वारा गड्डी महडाडी पहाड़ में दबिस दी गई जिसमें पवन गोंड निवासी कठमना थाना गढ़ रीवा, अमर गोड़ निवासी बेलौही थाना शाहपुर जिला मऊगंज, धीरज गोंड निवासी धनवाही थाना बदेरा जिला मैहर एवं नागेंन्द गोंड निवासी महडाडी थाना गुढ को गिरफ्तार किया गया एवं पुलिस रिमान्ड प्राप्त कर पूछताछ की गई जिसमें उक्त चोरों द्वारा थाना गुढ, थाना गोविन्दगढ सहित रीवा जिला, मऊगंज एवं सीधी जिला में दर्जनों सेंधमारी की घटना घटित करना स्वीकार किये है। जिनसे विधिवत पूछताछ की गई जिन्होने थाना गोविन्दगढ की कुल 09 अपराध एवं गुढ के 02 अपराध चोरी करना बताय जिनसे विधिवत उक्त अपराधों में चोरी गये मसरूका सोने चांदी के आभूषण बरामद किया गया है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से मिलेगी मुफ्त बिजली और होगा पर्यावरण संरक्षण

रीवा। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना लागू की गई है। इस योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण भी होगा। ताप विद्युत केन्द्रों से बिजली उत्पादन के लिए भारी मात्रा में कोयले का दहन किया जाता है जो पर्यावरण के प्रतिकूल है। सोलर पैनल पूरी तरह से निःशुल्क तथा पर्यावरण के अनुकूल है। बिजली का उपयोग करने वाले आवासीय घरों में सोलर पैनल लगवाकर बिजली के बिल में 30 से 70 प्रतिशत तक की कमी ला सकते हैं। इस संबंध में अधीक्षण यंत्री बीके शुक्ला ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत दो किलोवाट तक की क्षमता वाले छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए 30 हजार प्रति किलोवाट वित्तीय सहायता दी जाती है। इसी तरह तीन किलोवाट अथवा उससे अधिक क्षमता के सोलर पैनल लगवाने पर 78 हजार का अनुदान दिया जा रहा है।

अधीक्षण यंत्री श्री शुक्ल ने बताया कि छत पर सोलर पैनल लगाने से प्रति किलोवाट 1300 यूनिट बिजली का साल भर में उत्पादन होता है। इस बिजली को नेट मीटरिंग वाली बिजली यानी ग्रिड से जो?ने पर मासिक बिजली बिल में काफी कमी आती है। नेट मीटरिंग प्रक्रिया के द्वारा लगाया गया मीटर सोलर पैनल से प्राप्त बिजली तथा ग्रिड से ली गई बिजली का आकलन करता है। सोलर पैनल से उत्पादित बिजली यदि घरेलू उपकरणों में उपयोग से अधिक है तो उसे ग्रिड में भेज देता है। जब सोलर पैनल से बिजली का उत्पादन नहीं होता तब स्वचालित तरीके से ग्रिड से बिजली की आपूर्ति घर में होती रहती है। उपभोक्ता को केवल अतिरिक्त बिजली के लिए ही राशि देनी होती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पीएम सूर्य घर डॉट जीओभी डॉट इन अथवा स्मार्ट बिजली एप से आवेदन किया जा सकता है।

BBS MEMORIAL HR. SEC. SCHOOL
AZAD NAGAR, REWA (M.P.)
BBS KIDS ZONE
9424777617

Shivani
Rank in State Merit 12th
BIO GROUP
2023-24

Askrit
Rank in State Merit 12th
BIO GROUP
2024-25

ADMISSION OPEN For Nursery to 12th
IIT & NEET SELECTED

Krishna Divy Swastik Akshat Astha Anshika Pranjul Rahul

NO ADMISSION FEE

Ayush 93% Soumya 93% Medha 92% Abhigyan 91% Shristi 90% Anshika 90%

काउंसिलिंग कोड 608

श्री रामकृष्ण
कालेज आफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा सबद्ध

डी.फार्मा
रजिस्ट्रेशन के लिए तुरंत संपर्क करें
पता :-ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641, 6262084843, 7470944611

An ISO 9001:2008 ISO 14001:2004 OHSAS 18001:2007 Certified www.jnctrewa.com
JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE OF TECHNOLOGY
Approved By AICTE New Delhi & Affiliated to RGPV Bhopal, APSU Rewa

B.Tech.
- Computer Science
- Electronics & Communication
- Electrical & Electronics
- Mechanical "Engineering
- Civil Engineering
- Mining Engineering

M.Tech.
- Structure
- Thermal
- Computer Science
- Digital Communication
- High Voltage System

ITI
- Fitter
- Electrician
- COPA

DIPLOMA
- Mechanical Engg.
- Civil Engg.
- Electrical Engg.

MBA
B.Pharma
D.Pharma

JNCT REWA
ADMISSION Counselling OPEN 2025-26
Online Registration OPEN by DTE
नोट - काउंसलिंग एवं प्रवेश हेतु संस्था रविवार एवं अन्य अवकाश के दिनों में खुला रहेगा।
Add. Near RTO Office Crossing Ratahra Rewa 486001
Mob No. 8109412689, 9111100493, 9109918051

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833